শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 206 | गुवाहाटी | रविवार, 1 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

माइक्रोचिप बनेगी इस सदी का रेगुलेटर, विश्व पटल पर निर्णायक भूमिका... पेज 2
असम विस चुनाव 2026: रंगिया में बदल सकता है शासकीय दल का प्रत्याशी पेज 3
डबल इंजन सरकार प्रदेश के प्रत्येक वर्ग को दे रही राहत : मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा पेज 5
जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, पहली बार जीता रणजी ट्राफी का खिताब पेज 7

दौल उत्सव के बाद घोषित होगी भाजपा प्रत्याशियों की सूची : दिलीप सैकिया

नलबाड़ी (हि.स.)। आगामी 16वीं असम विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। चुनाव की तिथि नजदीक आते ही विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। हालांकि कांग्रेस और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है, लेकिन जल्द ही सूची घोषित किए जाने के संकेत मिले हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा है कि पार्टी की प्रत्याशी सूची दौल (होली) उत्सव के बाद घोषित की जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय संसदीय बोर्ड की बैठक के पश्चात पहली और दूसरी सूची दिल्ली स्थित पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय से जारी की जाएगी। नलबाड़ी में उत्तर नलबाड़ी मंडल भाजपा कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। कार्यालय का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष सैकिया ने किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबरुवा, जिला -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में भाजपा का चुनावी शंखनाद, सीएम डॉ. शर्मा ने *जन आशीर्वाद यात्रा* से मांगा जनता का साथ

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर सोनितपुर जिले के ढेकियाजुली निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की *जन आशीर्वाद यात्रा* का आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा के पहले चरण का शुभारंभ करते हुए पार्टी के भावी प्रयासों के लिए जनता से समर्थन मांगा। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा आज से शुरू हो रही है। मैं असम की जनता का आशीर्वाद चाहता हूं। इस बीच, असम भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर शनिवार को राज्य भर में जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा का पहला चरण 28 फरवरी से 9 मार्च तक चलेगा। इस अवसर पर बोलते हुए भाजपा सांसद प्रधान बरुआ ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा आज से शुरू हो रही है। इस कार्यक्रम में हमारे मुख्यमंत्री के साथ-साथ राष्ट्रीय नेता और राज्य समिति के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य हमारे मुख्यमंत्री का आम जनता तक पहुंचना, उनसे मिलना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

ईरान पर इजराइल और अमेरिका का हमला, खामेनेई के ठिकाने पर धमाका

ईरानी रक्षा मंत्री और आईआरजीसी चीफ की मौत का दावा

तेहरान/तेल अवीव/ वाशिंगटन (हि.स.)। ईरान की राजधानी तेहरान में इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हवाई हमले के दौरान शनिवार सुबह शक्तिशाली विस्फोट हुए। तेहरान के कई हिस्सों में घना धुआं फैल गया। ईरान के कई दूसरे शहरों में भी हमला हुआ है। इजराइल सरकार और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले की जिम्मेदारी ली। हमले में ईरान के रक्षा मंत्री आमिर नासिरजादेह और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) के कमांडर मोहम्मद पाकपोर की मौत हुई है। पाकपोर को आईआरजीसी की कमान तब मिली थी जब जून 2025 की जंग की शुरुआत में उनके पूर्व प्रमुख हुसैन सलामी को इजराइल ने मार गिराया था। तेहरान पर हमले के बाद ईरान ने इजराइल पर हमला कर दिया। वहीं एक धमाका सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के ठिकाने पर हुआ है। वह सुरक्षित हैं। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना, ईरानी अखबार शार्घ, अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन और द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के ठिकाने के पास जोरदार धमाका हुआ। इसके अलावा तेहरान में स्थित राष्ट्रपति के आवास और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के दफ्तर के पास धमाके के बाद धुआं उठता देखा गया। बताया गया है कि ईरान -शेष पृष्ठ दो पर

डॉयलाग और डिप्लोमेसी ही रास्ता : भारत

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को कहा कि वह ईरान पर अमेरिका (यूएस) और इजराइल के जॉइंट स्ट्राइक के बाद मिडिल ईस्ट में हाल के हालात को लेकर *बहुत चिंतित* है, और सभी पक्षों के बीच हालात को सुलझाने के लिए *बातचीत और डिप्लोमेसी* की अपील की है। एक बयान में विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि इस इलाके में भारतीय मिशन वहां सभी भारतीय नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में हैं, और उनसे सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दंड का भय ना होने से लोग अकार्य करने लगते हैं।
- आचार्य चाणक्य

शोपियां में सीआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या, जांच शुरू

शोपियां (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के बाटापोरा इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने कथित रूप से खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सुरक्षा बलों और पुलिस प्रशासन में शोक का माहौल है। अधिकारियों के अनुसार, मृतक जवान की पहचान हिमाचल प्रदेश निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई है, जो सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन में कांस्टेबल पद पर तैनात थे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक जवान ने कैंप परिसर के भीतर अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। घटना के तुरंत बाद साथियों द्वारा उन्हें इलाज के लिए नजदीकी चिकित्सा केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जवान द्वारा यह कदम उठाने के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना के बाद सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस ने नियमानुसार आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

असम को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर, 30 सीटों पर उम्मीदवार तय, कल होगा एलान

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। कांग्रेस हाईकमान उम्मीदवारों के चयन को लेकर लगातार बैठक कर रहा है। अभी तक 42 सीटों पर चर्चा के बाद 30 उम्मीदवारों के नामों पर लगभग मुहर लग चुकी है। अब सिर्फ औपचारिक रूप से एलान होना बाकी है। बताया जा रहा है कांग्रेस हाईकमान राज्य में प्रस्तावित पदयात्रा के बाद 2 मार्च को ऑफिशियल नामों की घोषणा कर देगी। इस बीच पार्टी से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई जोरहाट विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे अहम संकेत माना जा रहा है। दरअसल जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से गौरव अभी सांसद हैं। इस लोकसभा में करीब -शेष पृष्ठ दो पर

नॉर्थ-ईस्ट को लेकर जापान ने किया सबको खुश अब नजर भी नहीं उठा पाएगा चीन-बांग्लादेश

नई दिल्ली / शिलांग। मेघालय की राजधानी शिलांग में एक फॉरेन पॉलिसी कॉन्क्लेव में जापान के विदेश मंत्री होरी इवाओ ने नॉर्थ-ईस्ट की ग्रोथ के लिए एक खास योजना के बारे में बताया है। होरी इवाओ ने कहा कि नॉर्थ-ईस्ट के राज्य ग्रोथ के एक पावरफुल इंजन तौर काम कर सकते है। अगर उन्हें कि बांग्लादेश और नेपाल वाले ग्रिड के साथ मिलाया जाए। शिलांग के फॉरेन पॉलिसी थिंक टैंक एशियन कॉन्फ्लुएंस के छठे इंडिया-जापान इंटेलेक्चुअल कॉन्क्लेव में बोलते हुए होरी इवाओ ने कहा कि जापान नॉर्थ-ईस्ट इंडिया को बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर से जोड़ने वाली कनेक्टिविटी को सपोर्ट करेगा। नॉर्थ-ईस्ट इंडिया साउथ-ईस्ट एशिया के गेटवे के तौर पर एक अहम जियोपॉलिटिकल जगह पर है। साथ ही उन्होंने कहा कि जापान नॉर्थ-ईस्ट इंडिया के डेवलपमेंट के लिए पूरी तरह से कमिटेड है। जापान के इस बयान के बाद चीन-बांग्लादेश चिंता में आ -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जंग तेज, 325 से ज्यादा लोगों की मौत

इस्लामाबाद/काबुल (हि.स.)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया झड़पों के बाद हालात बिलकुल बदल गए हैं। दोनों देश के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। आसमान पर युद्धक विमान गरज रहे हैं। बम के धमाकों से इलाका थर्रा उठा है। इस लड़ाई में अब तक कम से कम 325 लोग मारे गए हैं। इस्लामाबाद ने दावा किया है कि इस लड़ाई में 270 अफगान तालिबानी और आतंकवादी को ढेर कर दिया गया। काबुल का दावा है कि उसने 55 ज्यादा पाकिस्तान के सैनिकों को मार गिराया है। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा कि इस्लामाबाद के सब्र का बांध टूट गया है। उन्होंने अफगानिस्तान के साथ खुली जंग का एलान किया है। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज और द अफगानिस्तान टाइम्स की ताजा रिपोर्ट्स में इस मौजूदा स्थिति का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने काबुल, कंधार और पक्तिया समेत अफगानिस्तान के कई हिस्सों पर -शेष पृष्ठ दो पर

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 18 की मौत व 8 गंभीर

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख

काकीनाडा (हि.स.)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के समरलाकोटा मंडल के वेटलापालेम गांव में शनिवार की दोपहर एक पटाखा फैक्टरी में भीषण धमाका होने के बाद आग लग गई। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हुई, जिसमें अब तक 11 लोगों की पहचान हो गई। घटना के बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पहुंच गए औरबचाव व राहत कार्य शुरू किय गया। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। गंभीर रूप से झुलसे आठ लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख जताया और अधिकारियों को पीड़ितों की हरसंभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। साथ ही प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। मालूम हो कि जिले के समरलाकोटा मंडल के वेतलापलेम इलाके में गोदावरी नहर के पास सूर्यश्री पटाखा फैक्टरी में काम हो रहा था। उसी समय फैक्टरी में अचानक धमाका हो गया और उसके बाद भीषण आग लग गई और पूरे इलाके में घना धुआं फैल गया। सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी और दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और बचाव व -शेष पृष्ठ दो पर

25 हजार करोड़ घोटाले में दिवंगत अजित पवार और डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार को बड़ी राहत

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की उस रिपोर्ट को मान लिया है, जिसमें महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (शिखर बैंक) में लोन बांटते समय करीब 25,000 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में दिवंगत उप मुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को क्लीन चिट दी गई थी। कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी देते हुए कहा है कि मामले में कोई भी सजा लायक अपराध साबित नहीं हुआ है। विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा की दिवंगत उपमुख्यमंत्री की *सी-समरी* रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। इससे अजित पवार समेत उन सभी राजनीतिक नेताओं को राहत मिली, जिसका नाम इस घोटाले में शामिल था। अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी देते हुए कहा कि कथित 25,000 करोड़ रुपए के -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस अब आईएनसी नहीं, एमएमसी यानि मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस है : पीएम मोदी

अजमेर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के अजमेर में कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि जिस तरह मुस्लिम लीग की भारत के प्रति नफरत ने देश का विभाजन कराया था, उसी तरह आज कांग्रेस देश को बदनाम करने और कमजोर करने की राजनीति कर रही है। उन्होंने हाल ही में दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के *शर्टलेस प्रदर्शन* को देश की छवि धूमिल करने का प्रयास बताया। प्रधानमंत्री प्रदेश को 16,680 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात देने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में दुनिया के कई देशों के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री और बड़ी कंपनियों के प्रमुख शामिल हुए थे और उन्होंने भारत की उपलब्धियों की सराहना की, लेकिन कांग्रेस ने विदेशी मेहमानों के सामने *ड्रामा* कर देश को बदनाम करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि लगातार चुनावी हार से निराश कांग्रेस देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है। मोदी ने माओवादियों पर भी संविधान और लोकतंत्र से घृणा -शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल एसआईआर की फाइनल लिस्ट जारी

5.46 लाख वोटर्स के नाम हटाए गए

कोलकाता। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने शनिवार को स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के बाद पश्चिम बंगाल के लिए वोटर लिस्ट जारी की। 28 फरवरी, 2026 तक, राज्य में कुल 70,459,284 वोटर हैं और 546,053 वोटरों के नाम लिस्ट से हटा दिए गए हैं (फॉर्म 7)। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद की वोटर लिस्ट में वोटरों की संख्या 7.04 करोड़ से ज्यादा हो गई है, जिसमें बदलाव के दौरान नाम हटाए और जोड़े गए हैं। अग्रवाल ने रिपोर्टर्स को बताया कि वोटर रोल में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के भाटियापारा इलाके में हुए सड़क हादसे में एक इंजीनियर की मौके पर ही मौत हो गई । पुलिस ने शनिवार को बताया कि जिले के भाटियापारा इलाके में हुए सड़क हादसे में एक इंजीनियर की मौके पर ही मौत हो गई। मृत इंजीनियर की पहचान विद्याजीत बरुवा के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

माइक्रोचिप बनेगी इस सदी का रेगुलेटर, विश्व पटल पर निर्णायक भूमिका निभाएगा भारत : मोदी

साणंद (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट और पैकेजिंग (एटीएमपी) फैसिलिटी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दुनिया तक यह संदेश स्पष्ट रूप से पहुंच चुका है कि इंडिया इज केपेबल, इंडिया इज कॉम्पिटिटिव, इंडिया इज कमिटेड। उन्होंने कहा कि यदि पिछली शताब्दी का रेगुलेटर तेल था, तो इस शताब्दी का रेगुलेटर माइक्रोचिप होने वाली है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में साणंद के परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी आंखों से इस क्षेत्र को एक कार फैक्टरी से देश के प्रमुख ऑटोमोबाइल हब में बदलते देखा है। एक बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी के आने से यहां संपूर्ण औद्योगिक इकोसिस्टम विकसित हुआ, सहायक इकाइयां स्थापित हुईं, सप्लायर नेटवर्क बना, स्थानीय उद्योग मजबूत हुआ और रोजगार एवं निवेश दोनों में वृद्धि हुई। आज देश-विदेश से लोग यहां काम करने आ रहे हैं और एक छोटा शहर वैश्विक मानचित्र पर अपनी जगह बना चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार ऑटोमोबाइल सेक्टर में साणंद ने सफलता की नई कहानी लिखी, उसी प्रकार सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी यह नया अध्याय रचेगा। इस संयंत्र में अभी सैकड़ों लोगों को रोजगार मिला है और भविष्य में इसके विस्तार के साथ रोजगार के और अवसर सृजित होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह माइक्रोन सुविधा भारत के नए मिजाज का उदाहरण है। नीति से लेकर उत्पादन तक, आज का भारत जिस दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है, वह यहां स्पष्ट दिखाई देता है। जून 2023 में इस परियोजना को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे और फरवरी 2026 में यह संयंत्र वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर चुका है। जो लोग इस क्षेत्र की जटिलताओं को समझते हैं, वे इस गति के महत्व को भलीभांति जानते हैं। उन्होंने कहा कि जब नीयत साफ हो और लक्ष्य देश का तीव्र विकास हो, तो नीतियां भी स्पष्ट बनती हैं और निर्णयों में तेजी आती है। प्रधानमंत्री ने माइक्रोन के नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना भारत और अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग और रणनीतिक साझेदारी का भी प्रमाण है। विशेष रूप से एआई और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन ने दुनिया को भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षमता से परिचित कराया है और आज का यह कार्यक्रम टेक्नोलॉजी लीडरशिप के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सॉफ्टवेयर के लिए पहचाने जाने वाला भारत अब हार्डवेयर क्षेत्र में भी अपनी सशक्त पहचान बना रहा है और तेजी से ग्लोबल सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का हिस्सा बन रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि जब दुनिया कोविड महामारी से जूझ रही थी, तब भारत ने सेमीकंडक्टर मिशन की घोषणा की थी। भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत यह पहला प्रस्ताव था, जिसका शिलान्यास सितंबर 2023 में हुआ। 22,500 करोड़ रुपए से अधिक के कुल परिव्यय वाली इस परियोजना का निर्माण कार्य स्वीकृति के तुरंत बाद शुरू किया गया, जो रणनीतिक निवेश को गति देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साणंद एटीएमपी संयंत्र पूरी तरह चालू होने पर लगभग पांच लाख वर्ग फुट का क्लीनरूम क्षेत्र उपलब्ध कराएगा और यह दुनिया के सबसे बड़े रेडी-फ्लोर क्लीनरूम में से एक होगा। यह संयंत्र उन्नत डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (डीआरएएम) और नैंड सेमीकंडक्टर वेफर्स को तैयार मेमोरी और स्टोरेज उत्पादों में परिवर्तित करेगा। इसका उद्देश्य एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग में तेजी से हो रही प्रगति के कारण मेमोरी और स्टोरेज समाधानों की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया नई तकनीकों से जुड़ी आपूर्ति शृंखलाओं को सुरक्षित करना चाहती है। भारत और अमेरिका जैसे दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र इस दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं। हालिया समझौते और पहलें वैश्विक सप्लाई चेन को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने में सहायक होंगी, विशेषकर महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में। प्रधानमंत्री ने वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत को आश्वस्त करते हुए कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकारें मिलकर उनके साथ खड़ी हैं।

सत्य, निडर होकर सही खबर लिखें पत्रकार : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी. राधाकृष्णन ने फर्जी खबरों से संबंधित चुनौतियों पर सतर्क करते हुए शुक्रवार को कहा कि पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे गलत जानकारी का मुकाबला कर सच सामने लाएं। भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के 57वें दीक्षा समारोह में उपराष्ट्रपति ने कहा कि पत्रकारिता *विकसित भारत* की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने जनसंचार स्नातकों से आग्रह किया कि वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन के एजेंट बनें। उपराष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि निडर होकर सत्य लिखें और आप विकसित भारत बनाएंगे। सत्य को अपने हृदय में बसा लें, और कोई आप को हरा नहीं सकता। रेटिंग या शार्टकट के बजाय अपने लेखन की शुद्धता और ईमानदारी को प्राथमिकता दें। उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली स्थित आईआईएमसी के नए शैक्षणिक ब्लाक और छात्रावास की आधारशिला भी रखी। प्रेट्र के अनुसार दीक्षा समारोह में केंद्रीय मंत्री और आईआईएमसी के चांसलर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आईआईएमसी अगले सत्र से पत्रकारों के लिए प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और रणनीति जैसे कुछ क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए फैलोशिप प्रोग्राम शुरू करेगा।

Form- IV

Statement about ownership and other particulars about **VIKSIT BHARAT SAMACHAR** (Guwahati).

1. Place of Publication : Guwahati
2. Periodicity of its Publication : Daily
3. Printer's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
4. Publisher's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
5. Editor's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
6. Names & Address of Individuals who own the newspaper & Partners or Shareholders holding more than one percent of the total capital :

Ajay Tyagi
Flat No.111, Ground Floor, Vikaspuri, New Delhi-110018

I, Rakesh Sharma hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-
Rakesh Sharma
Signature of Publisher

Date : 28/02/2026

हंस राज हंस व जैजी बी ने दरबार साहिब में टेका मत्था

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मशहूर गायक एवं पूर्व सांसद हंस राज हंस ने शनिवार को दरबार साहिब में माथा टेककर सरबत के भले के लिए अरदास की। दरबार साहिब में नतमस्तक होकर उन्होंने वाहेगुरु का शुकराना अदा किया और कहा कि यहां आकर जो सुकून मिलता है, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। माथा टेकने के बाद हंस राज हंस ने कहा कि दुनिया में इंसान बहुत कुछ तलाश करता है। मगर यहां आकर जो आत्मिक शांति मिलती है, वह अनमोल है। इसे न तोला जा सकता है और न ही खरीदा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि यह दुनिया का सबसे पवित्र स्थान है, जहां इंसान अपने अहंकार और चिंताओं को छोड़कर आता है। इसी दौरान शुक्रवार की देररात पंजाबी गायक जैजी बी (जसविंदर सिंह बैंस) ने भी दरबार साहिब पहुंचकर माथा टेका। आधी रात को उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर आशीर्वाद लिया। उस समय परिसर में गूंज रही गुरुबाणी की मधुर ध्वनि और सरोवर का शांत जल श्रद्धालुओं को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव प्रदान कर रहा था।

होली त्यौहार : पूसीरे ने सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर व्यापक तैयारी सुनिश्चित की

गुवाहाटी (हिंस)। होली त्यौहार और यात्री परिवहन में अपेक्षित वृद्धि के मद्देनजर, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जोन में व्यापक और यात्री-अनुकूल उपायों की एक श्रृंखला लागू की है। टीमवर्क, सतर्कता और यात्री-प्रथम दृष्टिकोण पर मजबूत फोकस के साथ, पूसीरे एक सुरक्षित, कुशल और सुखद त्यौहारी यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह तत्पर है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि त्यौहार को लेकर पूसीरे 14 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन कर रही है, जो अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए कुल 128 फेरों के लिए चलेगी। ये विशेष सेवाएं नियमित ट्रेन परिचालन को पूरक करेंगी तथा अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध कराएंगी, जिससे इस क्षेत्र के प्रमुख गंतव्यों के लिए आवागमन करने वाले यात्रियों को महत्वपूर्ण रूप से लाभ होगा। पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर संभावित भीड़ के प्रबंधन के लिए मजबूत त्यौहारी व्यवस्थाओं के साथ व्यापक तैयारियां की गई हैं। यात्रियों के सुचारु आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जिनमें रियल-टाइम यात्री सूचना प्रणाली, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था तथा उचित वेंटिलेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि यात्रियों को आरामदायक वातावरण मिल सके। सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को सुदृढ़ करने के लिए आरपीएफ, जीआरपी तथा वाणिज्य के अतिरिक्त कर्मचारियों को दिन-रात तैनात किया गया है। भीड़भाड़ को रोकने और यात्रियों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कतार प्रबंधन, नियंत्रित प्रवेश तथा प्लेटफॉर्मों एवं सर्कुलेटिंग एरिया की सतत निगरानी की जा रही है। तकनीकी सहयोग ने तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ बनाया है। संवेदनशील स्थानों पर रियल-टाइम सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन से मॉनिटरिंग, तेज टिकटिंग के लिए स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें, त्वरित प्रतिक्रिया के लिए सेगवे स्कूटर तथा मंडल एवं मुख्यालय कार्यालयों में स्थापित डेडिकेटेड वॉर रूम दिन-रात परिचालन निगरानी और किसी भी आपात स्थिति में शीघ्र प्रतिक्रिया सुनिश्चित कर रहे हैं। त्यौहारी सीजन के दौरान उच्च स्तर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्टेशनों और ट्रेनों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। तैयारी योजना के सुचारु क्रियान्वयन हेतु परिचालन, वाणिज्यिक, सुरक्षा तथा इंजीनयरिंग विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

दौल उत्सव के बाद ...

भाजपा अध्यक्ष जयंत बुजरबरुवा तथा मंडल अध्यक्ष नंदलाल सरकार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सैकिया ने विश्वास जताया कि पिछले दस वर्षों में, विशेषकर पिछले पांच वर्षों में राज्य में हुए अभूतपूर्व विकास और सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों के आधार पर आगामी विधानसभा चुनाव में जनता का आशीर्वाद भाजपा और मुख्यमंत्री को प्राप्त होगा।

राज्य में भाजपा का ...

है। इसके माध्यम से लोगों को पिछले 10 वर्षों में हमारे द्वारा किए गए कार्यों, विशेष रूप से पिछले 5 वर्षों में हमारे मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी मिलेगी। हमारी पार्टी इस यात्रा को सफल बनाने के लिए प्रयासरत है। एक प्रतिभागी ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा आज से शुरू हो रही है। हम यात्रा की अपार सफलता की कामना करते हैं, क्योंकि इसका उद्देश्य असम की जनता से जुड़ना और उनका आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त करना है। यात्रा गुप्तेश्वर मंदिर से शुरू हुई, जिसका उद्देश्य प्रतिदिन एक लाख लोगों से जुड़ना है। पार्टी ने कार्यक्रम के आठ दिवसीय प्रारंभिक चरण की घोषणा पहले ही कर दी है, जो 9 मार्च तक चलेगा। राज्य भाजपा के अनुसार, इस यात्रा के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारों की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाया जाएगा, साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों के लिए असम के नागरिकों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया जाएगा। इससे पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए भाजपा के चुनावी गीतों का शुभारंभ किया। गुवाहाटी स्थित भाजपा राज्य मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने असम विधानसभा चुनाव 2026 के प्रचार के लिए तीन *चुनावी गीतों* का आधिकारिक रूप से विमोचन किया।

ईरान पर इजराइल और...

में तेहरान के अलावा पांच और शहरों पर हमले हुए हैं। इनमें कॉम, इशफान, करमनशाह और कराज और लोरेस्तान शामिल है। इसके अलावा ईरान के अर्धसैनिक बल ईरान रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के खुफिया निदेशालय को भी निशाना बनाया गया है। हमले के फौरन बाद ईरानी अधिकारियों ने कहा कि तेहरान जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है। जवाब बहुत बुरा होगा। बाद में सुबह करीब 10 बजे पूरे उत्तरी इजराइल में सायरन बजने लगे। बताया गया कि ईरान ने इजराइल को लक्ष्य कर मिसाइलें तैनात की हैं। मोसाद ने सुबह ईरानियों के लिए न्यूज अपडेट फॉलो करने के लिए फारसी भाषा का टेलीग्राम चैनल लॉन्च किया। बताया गया है कि खामेनेई तेहरान में नहीं हैं और उन्हें सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि हमला नहीं रुकेगा। ट्रंप ने ईरान के लोगों से खामेनेई शासन को बदलने का आह्वान किया है। उन्होंने तेहरान पर यह भी आरोप लगाया कि वह काफी दिनों से परमाणु कार्यक्रम को शुरू करने के लिए संसाधन जुटा रहा था। इस बीच ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि अमेरिका और इजराइल को कड़ा जवाब देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस बीच यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में जल मार्गों और इजराइल पर मिसाइल और ड्रोन हमले फिर से शुरू करने का फैसला किया है। ईरान पर हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका के साथ मिलकर हमला ईरान से पैदा हुए अस्तित्व के खतरे को दूर करने के लिए किया गया। उन्होंने सहयोग के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार भी जताया। बताया गया है कि उत्तरी इजराइल में कई जगह ईरान ने बमबारी की है। इजराइल की सेना का कहना है कि ईरान से दागी गई मिसाइलें तेल अवीव की तरफ बढ़ रही थीं। इससे देश के कई इलाकों में सायरन बजने लगे। ईरान के हमले में किसी नुकसान या किसी के हताहत होने के बारे में तुरंत कोई सूचना नहीं है। संघर्ष के बीच भारत से इजराइल की राजधानी तेल अवीव जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट वापस लौट आई है। एअर इंडिया ने इजराइल का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अपनी दिल्ली-तेल अवीव उड़ान को मुंबई की ओर मोड़ दिया। भारत ने तनाव के बीच अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया है। भारतीय दूतावास ने कहा कि इजराइल में मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे बहुत सावधानी बरतें और हर समय चौकन्ने रहें। उधर, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान कभी परमाणु शक्ति नहीं बन सकता है। हम ईरान की नौसेना को खत्म करने जा रहे हैं। हम ईरान की मिसाइलों को तबाह कर देंगे। तेहरान ने कहा कि लड़ाई अब बंद नहीं होगी। ईरान पर लड़ाकू विमानों और मिसाइलों से जारी हमले के बीच सर्वोच्च नेता खामेनेई को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। वहीं एक इजराइली अधिकारी के मुताबिक, आज सुबह किए गए हमलों में सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन सहित कई बड़े नेताओं को निशाना बनाया गया। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने ऑपरेशन रोरिंग लायन के तहत पश्चिमी ईरान में सैकड़ों ठिकानों पर हमले का वीडियो भी जारी किया है। दूसरी तरफ बीबीसी ने ईरानी मीडिया के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान सुरक्षित हैं।

डॉयलाग और डिप्लोमेसी...

लोकल सिक्योरिटी गाइडेंस का पालन करना चाहिए और मिशन के संपर्क में रहना चाहिए। जायसवाल ने कहा कि हम सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ने से बचने और आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हैं। तनाव कम करने और अंदरूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी अपनाई जानी चाहिए। सभी देशों की सॉवरेनिटी और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत ने शनिवार को इजराइल और ईरान दोनों देशों में अपने नागरिकों के लिए अलग-अलग सिक्योरिटी एडवाइजरी जारी की, जिसमें उनसे ईरान पर यूएस-इजराइली हमलों की रिपोर्ट के बाद बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच *बहुत ज्यादा सावधानी* बरतने की अपील की गई। एक्स पर पोस्ट की गई एक एडवाइजरी में, तेल अवीव में भारतीय दूतावास ने इजराइल में भारतीय नागरिकों से इजराइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी किए गए सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा। नागरिकों को सलाह दी गई कि वे तय शेल्टर के पास रहें, अपने घर या काम की जगह के पास सुरक्षित जगहों को जानें, और अगली सूचना तक इजराइल के अंदर सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचें।

असम को लेकर कांग्रेस ...

10 विधानसभा सीटें हैं। कांग्रेस हाईकमान गौरव को जोरहाट 100 नंबर सीट से चुनाव लड़ाना चाह रही है। अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस भाजपा के लिए कड़ी चुनौती खड़ी कर सकती है। वहीं कांग्रेस हाईकमान लोकसभा सांसद रकीबुल हुसैन के भी विधानसभा चुनाव लड़ा सकती है। कांग्रेस रकीबुल के सहारे मुस्लिम वोटरों को साधने की कोशिश में है। रकिबुल हुसैन धुबड़ी लोकसभा सीट से सांसद हैं और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उन्हें असम में कांग्रेस का सबसे ताकतवर मुस्लिम नेता माना जाता है। असम में मुस्लिम आबादी करीब 30 प्रतिशत है और कांग्रेस को अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर मजबूत प्रदर्शन की जरूरत है। ऐसे में पार्टी के लिए रकिबुल हुसैन जैसे नेता को अहम माना जा रहा है, ताकि क्षेत्रीय दल एआईयूडीएफ की वापसी को रोका जा सके। पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन में लड़ा था। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक शुक्रवार शाम को आयोजित की गई, जिसमें राज्य की करीब 42 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों की चर्चा की गई है। जिसमें से 30 उम्मीदवारों के नाम तय किए गए। इसी दौरान गौरव गोगोई और रकीबुल हसन को चुनाव लड़ाने के साथ-साथ उनकी विस सीटों पर भी चर्चा हुई है। सूत्रों से पता चला है कि गौरव गोगोई की सीट तो लगभय तय हो गई है, लेकिन रकीबुल किस सीट से चुनाव लड़ेंगे, इस पर सहमति बनना बाकी है। माना जा रहा है कि रकीबुल धुबड़ी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। बैठक में संभावित उम्मीदवारों की जीत की संभावना, स्थानीय समीकरण और संगठनात्मक मजबूती पर चर्चा की गई। वहीं, असम भाजपा के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची होली (दौल उत्सव) के बाद घोषित करेगी। नलबाड़ी में सैकिया ने कहा कि पार्टी अपनी रणनीति को अंतिम रूप दे रही है और जल्द ही उपयुक्त समय पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की उम्मीदवारों की सूची दौल उत्सव के बाद चरणबद्ध तरीके से घोषित की जाएगी। परिचित और भरोसेमंद चेहरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

नॉर्थ-ईस्ट को लेकर ...

सकते हैं, जो भारत के इस क्षेत्र को नुकसाव पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। नॉर्थ-ईस्ट की ग्रोथ के राज्यों और भारत के बीच बांग्लादेश के होने के कारण इन राज्य की भारतीय क्षेत्रों की कनेक्टिविटी पर भी खासा असर पड़ता है, शेख हसीना के पतन के बाद भारत के बांग्लादेश से रिश्ते खराब हुए हैं। जिसके बाद भारत नॉर्थ-ईस्ट को लेकर एक मजबूत प्लान की तलाश में है। बता दें, फरवरी के शुरू जापान ने बांग्लादेश के साथ इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर साइन किया है। उन्होंने आगे कहा कि जब हम इस इलाके को नेपाल, भूटान, इंडिया, बांग्लादेश और साउथ-ईस्ट एशिया को शामिल करने वाले एक बड़े इकोनॉमिक इलाके के हिस्से के तौर पर देखते हैं, तो इसमें ग्रोथ के एक पावरफुल इंजन के तौर पर काम करने की काफी क्षमता है। होरी इवाओ ने आगे कहा कि नॉर्थ-ईस्ट इंडिया और आस-पास के इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के अलावा, प्रधानमंत्री साने ताकाइची की नई सरकार के तहत टोक्यो, जापान और नॉर्थ-ईस्ट इंडिया के बीच लोगों के बीच रिश्ते बढ़ाने के साथ-साथ इकोनॉमिक सिक्योरिटी, सेमीकंडक्टर और क्लीन एनर्जी के एरिया में प्राइवेट सेक्टर का सहयोग पक्का करने के लिए भी कमिटेड है। जापान और बांग्लादेश ने सामान और सर्विस के लिए बेहतर मार्केट एक्सेस और उससे जुड़े नियमों को बनाने के लिए एक इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर साइन किए हैं। बांग्लादेश के लिए यह पहली ऐसी डील है, जो दोनों देशों में घरेलू प्रोसेस पूरे होने के बाद लागू होगी। जापानी विदेश मंत्रालय की शुक्रवार की घोषणा के मुताबिक, इस डील के तहत, बांग्लादेश धीरे-धीरे स्टील और ऑटोमोबाइल पार्ट्स पर टैरिफ खत्म कर देगा, जबकि जापान टेक्सटाइल प्रोडक्ट और दूसरी चीजों पर टैरिफ तुरंत खत्म कर देगा।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच ...

हवाई हमला किया है। अफगान तालिबान सेना का दावा है कि उसने डूरंड रेखा पर पाकिस्तान की सेना के ठिकानों पर हमले करके जवाबी कार्रवाई की है और सीमापार झड़पों में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। संयुक्त राष्ट्रसंघ मौजूदा संघर्ष पर चिंता जताई है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह संघर्ष 26 फरवरी को रात आठ बजे शुरू हुआ। अफगान सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई में डूरंड रेखा के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी सेक्टरों में पाकिस्तान की चौकियों को निशाना बनाया। तालिबान के आर्मी प्रमुख के आदेश पर आधी रात को कार्रवाई रोक दी गई। बयान में दावा किया गया कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। दो बेस और 19 मिलिट्री पोस्ट को नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तान के एक टैंक को नष्ट कर दिया गया। इस लड़ाई में आठ तालिबान लड़ाके भी हताहत हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संघर्ष पर टिप्पणी की है कि वह पाकिस्तान के साथ हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आम लोगों पर इसके असर पर गहरी चिंता जताई।

पटाखा फैक्टरी में ...

राहत कार्य शुरू कर दिया। गंभीर रूप से घायल लोगों को एम्बुलेंस से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में 18 लोगों की मौत होने की खबर है। इनमें से अभी तक 11 मृतकों की पहचान हो सकी है। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। पुलिस ने अन्य आठ लोगों को काकीनाडा के अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब धमाका हुआ तो बहुत तेज आवाज हुई। धमाके से आस-पास के गांवों के लोग घबरा गए। भीषण धमाके की आवाज करीब पांच किमी तक सुनी गई। आवाज की तीव्रता के कारण पास के गांव के एक प्राइवेट स्कूल के स्लैब में दरारें आ गईं। पांच गांवों के इलाके में घना धुआं फैल गया। स्थानीय लोग उस इलाके में पहुंचे जहां धमाका हुआ था, तो आग में फंसे कई लोग पहले ही जल चुके थे। घटनास्थल पर शरीर के अंग बिखरे पड़े है। कुछ शव पूरी तरह जल गए थे। बताया जा रहा है कि प्राथमिक जांच में पाया गया है कि पटाखा फैक्टरी अडापा नानी के परिवार के सदस्य चलाते हैं। मृतकों में उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इस समय विजयनगरम जिले के दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री ने धमाके की घटना की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत राहत और बचाव करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य के गृहमंत्री अनीता को घटनास्थल पर पहुंचे का निर्देश दिया। इसके बाद राज्य की गृह मंत्री घटनास्थल के लिए रवाना हो गईं। जिले के एसपी और जिलाधीश पहले ही घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं और राहत के उपायों की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने अब तक 11 मरने वालों की पहचान कर ली है। पुलिस ने मरने वालों में अडाबाला श्रीनू, कदिमपल्ली कृपाम्मा, कदिमपल्ली धनराजू, साधनाला सत्यवेणी, वटलुरी रवि, मंडपल्ली चिन्नी, निम्माडा करुणा, गम्पाला मंगा, गोडाथा महेश, गोडाथा रामू और गोडाथा नानी के तौर पर की है। कुछ अन्य लोगों के शवों की पहचान अभी बाकी है। इसके अलावा गंभीर रूप से आठ घायल और इलाज में कुछ पीड़ितों की हालत चिंताजनक बताई गई। उधर राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट पर अपने संदेश में कहा कि काकीनाडा जिले में एक फैक्टरी में हुए विस्फोट के कारण अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करते हुए दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट कर घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काकीनाडा जिले की एक फैक्टरी में हुए विस्फोट में लोगों की जान जाने से वे दुखी हैं और जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना प्रकट करते हैं। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी।

25 हजार करोड़ घोटाले ...

घोटाले के मामले में कोई दंडनीय अपराध साबित नहीं हुआ है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा 25,000 करोड़ रुपए के महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) मामले में दायर की गई क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिससे महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और इस मामले में 70 से अधिक अन्य लोगों को क्लीन चिट मिल गई। अदालत ने कार्यकर्ता अन्ना हजारे और अन्य द्वारा दायर विरोध याचिकाओं के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर हस्तक्षेप याचिका को भी खारिज कर दिया। विशेष न्यायाधीश महेश जाधव ने सी-सारांश रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि सहकारी चीनी कारखानों से जुड़े कथित ऋण और वसूली अनियमितताओं में कोई आपराधिक अपराध नहीं बनता है।

कांग्रेस अब आईएनसी ...

करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी और उसी कारण देश का विभाजन हुआ। आज कांग्रेस भी वैसा ही व्यवहार कर रही है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को *एमएमसी—मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस* करार देते हुए आरोप लगाया कि वह संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली ताकतों के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पर सशस्त्र बलों को कमजोर करने और रक्षा सौदों में घोटालों के आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पूर्ववर्ती सरकार के समय रक्षा सौदों में बड़े घोटाले हुए और सैनिकों को *वन रैंक वन पेंशन* का लाभ वर्षों तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सैनिकों के सम्मान और सशक्तीकरण को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री ने अपने हालिया इजराइल दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां आज भी राजस्थान के वीर मेजर दलपत सिंह के शौर्य को गर्व से याद किया जाता है। उन्होंने इजराइल की संसद में श्रद्धांजलि देने का अवसर मिलने की बात कही और हाइफा की मुक्ति में राजस्थान के सैनिकों की भूमिका का स्मरण किया। उन्होंने अजमेर को आस्था और शौर्य की भूमि बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की *डबल इंजन* सरकार ने दो वर्ष पूरे कर लिए हैं और राज्य विकास के नए पथ पर अग्रसर है। शहरी विकास, पेयजल, सड़क, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक अवसंरचना से जुड़ी लगभग 17 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में नई परियोजनाएं राज्य की जनता की सुविधा बढ़ाएंगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी। उन्होंने अजमेर-पुष्कर क्षेत्र की पर्यटन क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और भ्रष्टाचार की खबरें आती थीं, लेकिन अब इस पर सख्ती से रोक लगाई गई है। उन्होंने मंच से 21,800 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाने की जानकारी दी और इसे बड़ा बदलाव बताया। युवा सशक्तीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पहले राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और भ्रष्टाचार की खबरें सुर्खियों में रहती थीं, लेकिन अब इस पर लगाम लगाई गई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

5.46 लाख वोटर्स...

बदलाव की प्रक्रिया में फॉर्म-7 के जरिए 5.46 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम हटाए गए और फॉर्म-6 और फॉर्म-6ए जमा करके 1.82 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम जोड़े गए। उन्होंने कहा कि बदलाव की प्रक्रिया के दौरान 58 लाख से ज्यादा गिनती के फॉर्म नहीं मिले, जिनमें मरे हुए, शिफ्ट हुए और डुप्लीकेट वोटरों के मामले शामिल हैं। सीईओ ने यह भी कहा कि 60 लाख से ज्यादा वोटर *अंडर एडजुडिकेशन* कैटेगरी में हैं, लेकिन उन्हें एसआईआर के बाद की वोटर रोल में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि बदलाव की प्रक्रिया चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार की गई थी। पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले, शनिवार को पोस्ट-एसआईआर इलेक्टोरल रोल के पब्लिकेशन ने भवानीपुर में नई राजनीतिक हलचल मचा दी। भवानीपुर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का चुनाव क्षेत्र है। यहां से 47,000 से ज्यादा नाम हटा दिए गए और 14,000 से ज्यादा नाम अंडर जजमेंट रखे गए। दक्षिण कोलकाता का भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र, जिसे आम तौर पर बनर्जी का गढ़ माना जाता है, में पिछले साल 4 नवंबर को एसआईआर प्रोसेस शुरू होने पर 2,06,295 वोटर थे।

असम विस चुनाव 2026: रंगिया में बदल सकता है शासकीय दल का प्रत्याशी

कामरूप (हिंस)। असम में आगामी 16वीं विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूरे राज्य में चुनावी गतिविधियां काफी तेज हो गयी हैं। मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक एवं टिकट के दावेदार लगातार क्षेत्रों का दौरा कर जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्शाने में जुटे हुए हैं। बदले राजनीतिक माहौल में संभावित उम्मीदवारों के साथ-साथ प्रशासन में भी तत्परता शुरू हो गई है। वर्तमान का 31 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र कामरूप जिले के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। रंगिया क्षेत्र में भी शासक और विपक्षी दल चुनावी तैयारियां शुरू कर चुके हैं। वर्तमान भाजपा सरकार के शासनकाल में हुए क्षेत्र पुनर्निर्धारण के बाद इस बार पहली बार विधानसभा चुनाव आयोजित होने जा रहे हैं। क्षेत्र पुनर्निर्धारण के बाद विभिन्न ऐतिहासिक मंदिर-मठ-नामघर आदि रंगिया क्षेत्र की सीमाओं में समाहित हुए हैं। इस क्षेत्र के पूर्व में नवगठित गोरेश्वर क्षेत्र, पश्चिम में नलबाड़ी और हाजो क्षेत्र, उत्तर में नवगठित तामुलपुर क्षेत्र और दक्षिण में कमलपुर क्षेत्र है। निर्धारण के बाद इस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से गोरेश्वर और वेतना मौजा कटकर नए तामुलपुर और गोरेश्वर निर्वाचन क्षेत्रों में शामिल किए गए हैं। इसके विपरीत, कमलपुर निर्वाचन क्षेत्र और हाजो निर्वाचन क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण क्षेत्र रंगिया में शामिल किए गए हैं। पहले हाजो निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत धुही, विष्णुपुर, कन्या-बरपुल्ला, बारंगहटी, शहिद सत्यनाथ, मनाहकुची-बाहाना-हदला-सेंसामुख गांव पंचायत रंगिया निर्वाचन क्षेत्र में शामिल हुए हैं। इसके अतिरिक्त, निकटवर्ती कमलपुर निर्वाचन क्षेत्र के पुठिमारी, केंदुकोना, बोरडेकेपार, आठगांव, बोर्का, सोनापुर, गुइया आदि गांव पंचायत के कई क्षेत्र रंगिया में शामिल किए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 27 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची की जानकारी के अनुसार, इस निर्वाचन क्षेत्र के कुल मतदाताओं की संख्या 2,16,599 है। इनमें से 1,07,258 महिला मतदाताओं के मुकाबले 1,09,341 पुरुष मतदाता हैं। साथ ही, 621 सर्विस मतदाता हैं। पिछले दो कार्यकालों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से भवेश कलिता ने जीत प्राप्त की है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कलिता ने 2016 में कांग्रेस के घनश्याम कालिता को 32,067 वोटों से अधिक प्राप्त कर जीत हासिल की थी। इसके साथ ही 2021 में सीपीएम के डॉ. भगवान देव मिश्रा को 20,220 वोटों से अधिक प्राप्त कर पुनः विधायक निर्वाचित हुए थे। हालांकि, भाजपा पर आगामी विधानसभा चुनाव में रंगिया विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बदलने की संभावना जतायी जा रही है। आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में भाजपा ने रंगिया में बूथ विजय अभियान शुरू किया है। नवगठित रंगिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पार्टी के सहयोगियों के साथ बूथ विजय अभियान में भाग लिया। प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही इस अभियान में अक्सर प्रदेश भाजपा के सचिव रतुल शर्मा, नवदीप कलिता और जिला अध्यक्ष भास्कर कलिता को देखा गया है। इस मौके पर स्थानीय विधायक भवेश कलिता को नहीं देखा गया। अब सवाल उठ रहा है कि क्या रंगिया क्षेत्र का प्रत्याशी बदलेगा। रंगिया क्षेत्र में भवेश कलिता को हटाकर रातुल शर्मा या नवदीप कलिता भाजपा उम्मीदवार बन सकते हैं। इसे लेकर रंगिया क्षेत्र में पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच लगातार चर्चा होने लगी है। जबकि, रंगिया सीट पर विपक्षी पार्टियों की उपस्थिति सत्ताधारी दल के मुकाबले उतनी मजबूत नहीं दिखाई देती है। बावजूद वामपंथी पार्टी सीपीएम का भी इस क्षेत्र में कुछ आधार है। ऐसे में माना जा रहा है कि फिर से एक बार गठबंधन के तहत कांग्रेस पार्टी रंगिया सीट को वामपंथी पार्टी के लिए छोड़ सकती है, हालांकि अभी इस बारे में कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है।

कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन *नन्हे फरिश्ते* के तहत चार नाबालिगों का रेस्क्यू

कोकराझाड़ (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अलीपुरद्वार मंडल अंतर्गत कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान *ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते* के तहत चार नाबालिग लड़कों को संदिग्ध परिस्थिति में घूमते हुए बरामद कर सुरक्षित संरक्षण में लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को आरपीएफ पोस्ट कोकराझाड़ के हेड कांस्टेबल प्रमोद डेका, कांस्टेबल जीतू दास एवं कांस्टेबल सीआर ब्रह्म ने आज दोपहर के समय स्टेशन परिसर में नियमित जांच अभियान चलाया। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-01 पर चार नाबालिग लड़के संदिग्ध अवस्था में घूमते पाए गए। संदेह के आधार पर जब टीम ने उन्हें रोका और पूछताछ की, तो वे न तो कोई वैध रेलवे यात्रा टिकट प्रस्तुत कर सके और न ही संतोषजनक जवाब दे सके। सौहार्दपूर्ण पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे बिना अपने अभिभावकों को सूचना दिए घर से निकल आए हैं तथा दक्षिण भारत जाने वाली ट्रेन से हैदराबाद जाकर निजी नौकरी की तलाश करना चाहते थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ टीम ने चारों नाबालिगों को सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट लाकर उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराया। उनके द्वारा दिए गए मोबाइल नंबरों के माध्यम से अभिभावकों से संपर्क किया गया, जिसमें पुष्टि हुई कि चारों बच्चे 28 फरवरी की सुबह से अपने-अपने घरों से लापता थे। इसके बाद अभिभावकों को कोकराझाड़ स्टेशन पर उपस्थित होने के लिए सूचित किया गया। रेस्क्यू किए गए नाबालिगों की उम्र 16, 16, 15 और 12 वर्ष बतायी गयी है। सभी बच्चे असम के धुबड़ी जिले के बिलासीपारा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत चारों नाबालिगों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की देखरेख में जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू), कोकराझार, असम को अग्रिम कार्रवाई हेतु विधिवत सौंप दिया गया। आरपीएफ की तत्परता से एक संभावित मानव तस्करी अथवा अन्य अप्रिय घटना को समय रहते टाल दिया गया। रेलवे प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों पर विशेष निगरानी रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल को दें।

कांग्रेस के साथ राइजर दल का गठबंधन आज आधी रात हो सकता है समाप्त : अखिल गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। राइजोर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई ने घोषणा की है कि यदि सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस की ओर से सकारात्मक जवाब नहीं मिलता है तो आज रात 12 बजे पार्टी कांग्रेस के साथ अपना गठबंधन समाप्त कर देगी। अखिल गोगोई ने कहा कि राइजर दल 12 सीटों की अपनी मांग पर अडिग है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक कांग्रेस की ओर से किसी भी प्रकार का सकारात्मक आश्वासन नहीं दिया गया है, जबकि इस विषय पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम निर्णय आज आधी रात 12 बजे घोषित किया जाएगा। गोगोई ने कहा कि पार्टी अपने रुख से पीछे नहीं हटेगी और आवश्यकता पड़ने पर स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि, आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर विपक्षी दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है।

शिवसागर पहुंची कांग्रेस की *समय परिवर्तनर यात्रा*

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई के नेतृत्व में निकाली जा रही कांग्रेस की *समय परिवर्तनर* यात्रा का दूसरा चरण शनिवार को शिवसागर जिले में प्रवेश कर गया। यात्रा की शुरुआत डिमौ से हुई और यह अथाबाड़ी, बाकाटा होते हुए शिवसागर की ओर बढ़ी। यात्रा के दौरान आयोजित सभाओं को संबोधित करते हुए गोगोई ने भाजपा सरकार पर जुबीन क्षेत्र के विकास की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के रखरखाव के लिए भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है और सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है। डिमौ और शिवसागर में यात्रा के दौरान *अलिकाती जाली दिम, बरपीरा पारी दिम, एइबार कांग्रेस सरकार आनि दिम* गीत गूंजता रहा।

अरुणाचल में असम के श्रमिक की हत्या के विरोध में प्रदर्शन, अवरुद्ध किया अंतर्राज्यीय मार्ग

तिनसुकिया (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले के नौ माइल में असम के एक श्रमिक की हत्या के विरोध में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। ऑल आदिवासी स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ असम (आसा) के सदस्यों ने शनिवार को आरोपितों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग को लेकर अंतर्राज्यीय मार्ग अवरुद्ध कर दिया। यह घटना बीते 22 फरवरी को तुही विनियर मिल में हुई, जो कमलू मोसांग की देखरेख में इलाके में चलने वाली एक प्लाईवुड यूनिट है। पीड़ित, 20 साल का राजू भुइयां, जो असम के चराईदेव जिले के बोगरीबारी का रहने वाला था, मिल में काम करता था। सूचना के मुताबिक, भुइयां को उसके साथ काम करने वाले आदित्य रॉय ने कथित तौर पर मजदूरों के सोने की जगह पर सीने में खंजर से वार किया। सूत्रों ने बताया कि आरोपित उसी रात मौके से भाग गया। चराईदेव जिला आसा के पदाधिकारियों ने तिनसुकिया जिला कमेटी के सहयोग से मौके का दौरा किया और घटना की जांच की। संगठन ने आरोप लगाया कि चांगलांग पुलिस और जिला प्रशासन ने उनके दौरे के दौरान उनके सदस्यों को पूरा सहयोग नहीं दिया। विरोध में, आसा तिनसुकिया जिला कमेटी ने अपनी मार्घेरिटा और दिहिंग पाटकाई क्षेत्रीय कमेटियों के साथ मिलकर मार्घेरिटा में सड़क को अवरुद्ध कर दिया, जो असम और अरुणाचल प्रदेश को जोड़ती है। सैकड़ों समर्थक नारे लगाते हुए और जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन में शामिल हुए। आसा नेताओं ने कहा कि जब तक आरोपित को गिरफ्तार नहीं किया जाता, वे अपना विरोध प्रदर्शन खत्म नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी मांग की कि तुही विनियर मिल के मालिक दुखी परिवार को एकमुश्त आर्थिक मुआवजा दे। कई घंटे तक चले इस सड़क अवरुद्ध के कारण अंतर्राज्यीय रोड के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे असम और अरुणाचल प्रदेश से आने-जाने वाले लोग फंस गए।

सात मार्च तक पैदल मार्ग रहेगा कुमार भास्कर वर्मा सेतु

गुवाहाटी (हिंस)। बढ़ती पैदल आवाजाही और लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए गुवाहाटी सिटी पुलिस, कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन, कामरूप जिला प्रशासन तथा कामरूप पुलिस ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया है कि गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी को जोड़ने वाले नव निर्मित कुमार भास्कर वर्मा सेतु को 1 मार्च से 7 मार्च तक पैदल क्षेत्र (पैदल जोन) के रूप में ही जारी रखा जाएगा। आज जारी बयान के अनुसार, सेतु पर पिछले दिनों बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही देखी गई है। जनसुरक्षा तथा पैदल यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने बताया कि 8 मार्च 2026 से दोपहिया, तिपहिया, हल्के मोटर वाहन (एलएमवी), एसयूवी आदि वाहनों के लिए सेतु को पुनः खोल दिया जाएगा। हालांकि, दोनों ओर बढ़ती भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए बसों और ट्रकों के आवागमन पर अगले आदेश तक रोक जारी रहेगी।

बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय का 17वां स्थापना दिवस सोल्लास संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय ने आज अपना 17वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। 28 फरवरी 2009 को असम विधानसभा द्वारा *बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009* के तहत स्थापित यह संस्थान आज अपने गौरवशाली 17 वर्ष पूरे कर चुका है। मुख्य अतिथि का संबोधन समारोह की मुख्य अतिथि, असम सरकार की पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक श्रीमती प्रमिला रानी ब्रह्म रहीं। अपने बीज भाषण में उन्होंने विश्वविद्यालय को उसकी शैक्षणिक प्रगति और उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि *बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय न केवल बीटीसी (बीटीसी) क्षेत्र और निचले असम, बल्कि पड़ोसी देशों के छात्रों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है*। श्रीमती ब्रह्म ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन राजनीतिक और प्रशासनिक चुनौतियों का भी जिक्र किया, जो विश्वविद्यालय की स्थापना के शुरुआती दौर में सामने आई थीं। उन्होंने बीटीसी के पूर्व प्रमुख श्री हाग्रामा मोहिलारी और अन्य हितधारकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम है कि आज यह विश्वविद्यालय एक मान्यता प्राप्त उन्नत संस्थान के रूप में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

एसीए कॉर्पोरेट ट्वेंटी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का शेड्यूल घोषित

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन ने एसीए कॉर्पोरेट ट्वेंटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 के ऑफिशियली शुरू होने की घोषणा की है, जो मार्च में शुरू होगा। यह टूर्नामेंट 10 मार्च को नॉर्थ गुवाहाटी के फुलुंग में एसीए स्टेडियम और एसीए क्रिकेट अकादमी के पास के ग्राउंड में और मार्च से गुवाहाटी के जज फील्ड में शुरू होगा। असम भर के सरकारी, सेमी-गवर्नमेंट, प्राइवेट इंस्टीट्यूशन/ऑफिस, पब्लिक सेक्टर और एंप्लॉयमेंट सेक्टर/इंस्टीट्यूशन सहित अलग-अलग कॉर्पोरेट हाउस की कुल 36 टीमें इस मशहूर कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेंगी। हिस्सा लेने वाली टीमें: असम सेक्रेटेरिएट क्रिकेट क्लब, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, असम, गुवाहाटी यूटिलिटीज कंपनी लिमिटेड, एनएफ रेलवे क्रिकेट टीम, इंफोसिस, गुवाहाटी, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, गुवाहाटी उच्च न्यायालय, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, लोक स्वास्थ्य विभाग, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), आयकर विभाग, असम कृषि विश्वविद्यालय, एफसीआई, असम, तेजपुर विश्वविद्यालय स्टाफ टीम, चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड, कृष्णकांता संदिकि राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, असम गैस कंपनी लिमिटेड, असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड (एपीएल), इंडिया पोस्ट ऑफिस, इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड, असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, शिक्षा विभाग, बैंगलोर, केंद्रीय प्रयोगशाला निगम, वैंटेज सर्कल, भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण, इंडियन बैंक, गुवाहाटी, न्यायपालिका का जिला कार्यालय, जोरहाट, बार काउंसिल, बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी, ऑयल इंडिया लिमिटेड, दुलियाजान, फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज यह टूर्नामेंट टी20 टूर्नामेंट के नियमों के तहत डे-नाइट बेसिस पर होगा। सेमी-फाइनल 21 मार्च को और फाइनल 22 मार्च को गुवाहाटी के जज फील्ड में होगा।

राज्यपाल ने वैदिक दर्शन पर विशेष वार्ता में लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज लोक भवन में आयोजित *भारतीय परंपरा में वैदिक ज्ञान का महत्व* विषयक विशेष वार्ता में हिस्सा लिया, जो सेवा संकल्प सप्ताह के समापन सत्र के अवसर पर आयोजित की गई थी। इस अवसर पर, राज्यपाल आचार्य ने लोक भवन, असम द्वारा लोगों के सर्वांगीण विकास को तीव्र करने के लिए अपने आउटरीच कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में आयोजित एक सप्ताह लंबी कार्यक्रम सेवा संकल्प सप्ताह की सफलता पूर्ण समापन पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान देखी गई सेवा की भावना, जनसहभागिता और सांस्कृतिक जागरूकता इस पहल की प्रभावशीलता को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा ने हमेशा विचारों की खुली प्रवृत्ति और ज्ञान को सार्वजनिक कल्याण में बदलने को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने देखा कि सेवा संकल्प सप्ताह वैदिक चेतना की व्यावहारिक अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, जहां सेवा को दान के रूप में नहीं बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता है। भारतीय दर्शन में ज्ञान और सेवा के बीच सामंजस्य पर जोर देते हुए, राज्यपाल ने कहा कि जब बुद्धि और करुणा साथ चलते हैं, तो सामाजिक संतुलन और सामूहिक प्रगति मजबूत होती है। असम की सांस्कृतिक धरोहर का उल्लेख करते हुए, उन्होंने इसे राज्य की जीवनदायिनी समृद्धि का जीवंत रूपक बताया। श्रीमंत शंकरदेव को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि संत का एक-शरण-नाम-धर्म और नामघरों तथा सत्यों की संस्था भक्ति, ज्ञान और सामाजिक सेवा के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। राज्यपाल ने यह उजागर किया कि सेवा संकल्प सप्ताह के दौरान उठाए गए विभिन्न प्रयास, जैसे स्वास्थ्य पहुंच, स्वच्छता अभियान, जागरूकता अभियान और शैक्षणिक गतिविधियां, स्पष्ट संदेश देती हैं कि शासन का सार सेवा में निहित है। उन्होंने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे इस भावना को पूरे वर्ष आगे बढ़ाएं, और सेवा को एक मूल्य-आधारित प्रस्ताव बनाएं। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व वेद विभागाध्यक्ष, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, प्रोफेसर पतंजलि मिश्रा; राज्यपाल के कमिश्नर और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम; कुलपति, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, प्रोफेसर प्रह्लाद जोशी; गौहाटी विश्वविद्यालय में संस्कृत विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर कमेश्वर शुक्ला ने इस अवसर पर अपने ज्ञान को भी साझा किया।

मुख्यमंत्री ने सेमसनसिंग इंगती की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कार्बी समाज के महान नेता सेमसनसिंग इंगती की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इंगती ने असम के जनजातीय समाज के अधिकार, आत्मसम्मान और पहचान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में सेमसनसिंग इंगती को कार्बी आंग्लांग का जनक बताते हुए कहा कि उन्होंने पूरे कार्बी समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया और क्षेत्र के लिए नई दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्बी आंग्लांग तथा समूचे पहाड़ी असम के विकास, एकता और स्वाभिमान के लिए उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि इंगती के आदर्श, संघर्षशील व्यक्तित्व और समाजसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी।

नोबेल पुरस्कार विजेता सीवी रमन की याद में पांडु महाविद्यालय में मना राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित वैज्ञानिक सीवी रमन को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए तथा विज्ञान और नवाचार में महिलाओं के योगदान को विशेष महत्व देते हुए पांडु महाविद्यालय में उत्साह और उल्लास के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अंतर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता, विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी, भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी तथा हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय गीत के साथ आरंभ हुए उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में गौहाटी महाविद्यालय के सेवानिवृत्त सह-प्राध्यापक डॉ. तपन शर्मा तथा नुमालीगढ़ तेल शोधनागार के कॉर्पोरेट योजना एवं नीति विभाग के प्रमुख प्रांत प्रतिम सिन्हा उपस्थित रहे। दोनों वक्ताओं ने सीवी रमन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विश्व सभ्यता में विज्ञान के योगदान पर प्रकाश डाला। समारोह में नोबेल पुरस्कार विजेता सीवी रमन और प्रसिद्ध असमिया गायक जुबिन गर्ग को बांसुरी की मधुर धुन के माध्यम से श्रद्धांजलि दी गई। पांडु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय ज्योति बोरा ने अपने उद्घाटन भाषण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान-प्रधान शिक्षा तथा विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण और जटिल भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग की सह-प्राध्यापिका रिमकी भट्टाचार्य और प्राणी विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. मल्लिका गोगोई ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सांख्यिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सिला जोन गोगोई ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर *कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव समाज के लिए वरदान* विषय पर आयोजित अंतर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों से 34 विद्यार्थियों ने प्रस्ताव के पक्ष में तथा 27 विद्यार्थियों ने विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में गौहाटी विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हिमांशु प्रबल गोस्वामी, सहायक पंजीयक डॉ. हीरक ज्योति शर्मा तथा अधिवक्ता विशालदीप काकती उपस्थित रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के उच्च स्तर की सराहना करते हुए छात्रों के बीच राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की प्रासंगिकता पहुंचाने में पांडु महाविद्यालय के विज्ञान मंच की सक्रिय भूमिका की प्रशंसा की। कनारा बैंक, मालीगांव शाखा के आर्थिक सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में वाद-विवाद प्रतियोगिता के साथ-साथ महाविद्यालय के बकुल प्रांगण में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी, भारतीय ज्ञान परंपरा पोस्टर प्रदर्शनी और हस्तशिल्प प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के लगभग सभी विभागों से 60 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कॉटन विश्वविद्यालय की अभिस्पा कलिता ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान तेजपुर विश्वविद्यालय के राहुल रोहन पाल ने तथा तृतीय स्थान तेजपुर विश्वविद्यालय की सुदीप्ता सैकिया ने हासिल किया।

होजाई के विष्णुपल्ली मंदिर में श्री श्री गोविंद दौल उत्सव की भव्य तैयारी

होजाई (निसं)। होजाई के विष्णुपल्ली स्थित सार्वजनिक श्री श्री विष्णु मंदिर में श्री श्री गोविंद दौल उत्सव का धूमधाम से आयोजन होने जा रहा है। मंदिर प्रबंधन के बैनरतले यह तीन दिवसीय उत्सव 2 मार्च (सोमवार) से 4 मार्च (बुधवार) तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा। उत्सव के सफल आयोजन के लिए दौल उत्सव आयोजन समिति का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष उमाशंकर गोस्वामी, कार्यकारी अध्यक्ष अनुप कुमार बरठाकुर, उपाध्यक्ष प्रणव घोष, डॉ. गजेन्द्र नाथ शर्मा, वीणा बरकटकी, नरेन शर्मा, विपुल चंद्र शर्मा, नव बरकटकी हैं। वहीं, सचिव युगल चंद्र बोरा, सह-सचिव सुरेन बरकटकी, तरुण चंद्र शर्मा, ज्यदेवे बरकटकी, अतुल चंद्र शर्मा तथा कोषाध्यक्ष उत्तम बरकटकी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पूजा उप-समिति, भोग-प्रसाद व्यवस्था तथा नगर भ्रमण उप-समिति सहित कई उप-समितियां भी सक्रिय हैं। कार्यक्रमों का विवरण: 2 मार्च को नित्य पूजा-अर्चना के बाद संध्या में जल-यात्रा, 7 बजे होलिका दहन, 7-30 बजे अधिवास। 3 मार्च को प्रातः 6-30 बजे जलयात्रा, 7 बजे वैदिक पूजा, 10-30 बजे नाम कीर्तन, दोपहर 12 बजे कीर्तन व प्रभु के चरणों में अविर दान, संध्या में नाम संकीर्तन। 4 मार्च को दोपहर 12 बजे शांति पाठ, उसके बाद गोविंद का नगर भ्रमण। संध्या 5 बजे पूजा व कीर्तन, 7 बजे गोविंद का मंदिर प्रवेश तथा रात्रि 8 बजे महाप्रसाद वितरण। भक्तों में उत्साह चरम पर है और आयोजक सभी को सादर आमंत्रित कर रहे हैं। यह उत्सव स्थानीय परंपराओं को जीवंत करने के साथ-साथ भक्ति का अनुपम संगम साबित होगा।

संपादकीय

किताब पर 'सुप्रीम' पाबंदी

सर्वोच्च अदालत ने एक किताब पर 'पूर्ण प्रतिबंध' (ब्लैकेट बैन) का आदेश दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का अध्याय संकलित था। किताब 8वीं कक्षा में सामाजिक विज्ञान के तौर पर पढ़ाई जानी थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद' (एनसीईआरटी) ने छापी थी। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत समेत अन्य न्यायाधीश भी बहुत कुपित हुए और इस अध्याय को शामिल करने को 'गहरी साजिश' करार दिया। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि एनसीईआरटी ने गोली चला दी है और न्यायपालिका लहूलुहान है। यह महज एक गलती नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा गिराने और युवाओं के भीतर जहर भरने की एक 'सोची-समझी साजिश' लगती है। संस्था के निदेशक ने गलती मानने के बजाय लिखित में इन विवादित अंशों का बचाव किया है। यह और भी गंभीर है। हम पता लगाएंगे। सिर तो कटेंगे, हम गहरी जांच करेंगे। हम न्यायपालिका सरीखे संवैधानिक संस्थान को इस तरह बदनाम नहीं होने देंगे। न्यायपालिका पर आज भी करोड़ों लोगों का विश्वास, भरोसा है। उसे टूटने कैसे दिया जा सकता है?' इसी के साथ न्यायिक पीठ ने किताब के फिजिकल या डिजिटल, हार्ड या सॉफ्ट और वेब पोर्टल आदि सभी प्रारूपों और संस्करणों को जब्त करने का आदेश दिया है। किताब की जो 38 प्रतियां बिक चुकी हैं, उन्हें भी हासिल कर जब्त किया जाए। न्यायिक पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी और केंद्रीय स्कूल शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कराए हैं। वे 11 मार्च को अदालत में मौजूद रहेंगे। सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा है कि क्यों न निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए? अदालत ने जो आदेश दिया है, उसकी अनुपालना रपट दो सप्ताह में जमा करानी होगी। सामाजिक विज्ञान की ऐसी किताब और उसमें न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार की खबर सामने आई, तो कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी गुस्सा जताते हुए सवाल किया- यह शरारत किसने की है? कौन देख रहा है यह सब? ऐसी सामग्री का अनुमोदन कौन कर रहा है? किसी को तो जवाबदेह ठहराना चाहिए। प्रधानमंत्री की यह सख्त टिप्पणी, हालांकि, सूत्रों के हवाले से सार्वजनिक हुई है। बहरहाल किताब के विवादित अध्याय में लिखा गया है कि सर्वोच्च अदालत में करीब 81,000 मुकदमे लंबित हैं, जबकि देश के उच्च न्यायालयों में यह आंकड़ा करीब 62.40 लाख है। 2017-21 के दौरान भ्रष्टाचार की करीब 1600 शिकायतें दर्ज की गईं। प्रधान न्यायाधीश के दफ्तर को जो शिकायतें मिलीं, वे अलग हैं। 2016-25 के दौरान न्यायाधीशों के खिलाफ 8639 शिकायतें मिलीं, यह कानून मंत्रालय ने संसद में खुलासा किया है। क्या ये शिकायतें ही भ्रष्टाचार की प्रमाण हैं अथवा यह व्यवस्था का गंभीर सवाल है? क्या शिकायतों के आधार पर ही मान लिया जाए, कि समूची न्यायपालिका भ्रष्ट है और गरीब, जरूरतमंद आदमी के लिए न्याय मिलना बहुत मुश्किल है? दरअसल आजकल संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ संस्थानगत हमले किए जा रहे हैं और यह एक नया फैशन बन गया है। विवादित किताब के लिए क्या लेखक ही 'खलनायक' हैं? ऐसा नहीं है, क्योंकि एनसीईआरटी में कई स्तरों पर पाठ्यक्रम और विषय-वस्तु तय किए जाते हैं। विशेषज्ञ और समितियां होती हैं। तो फिर लेखकों को ही 'काली सूची' में डालने का औचित्य समझ के परे है। एनसीईआरटी में पाठ्य पुस्तकों को लेकर विवाद होते रहे हैं। यह सरकार की वैचारिक दखलअंदाजी हो सकती है या कुछ और, लेकिन विवाद सामने आते रहे हैं। मसलन-मुगल इतिहास को 12वीं की किताब से हटाया गया। गांधी की हत्या और आरएसएस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को हटाया गया। किताबों में अब 1984, 1992 और 2002 के दंगों के उल्लेख नहीं हैं। संविधान की प्रस्तावना तक पढ़ने को छात्रों को वंचित किया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं।

देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत समेत अन्य न्यायाधीश भी बहुत कुपित हुए और इस अध्याय को शामिल करने को 'गहरी साजिश' करार दिया। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि एनसीईआरटी ने गोली चला दी है और न्यायपालिका लहूलुहान है। यह महज एक गलती नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा गिराने और युवाओं के भीतर जहर भरने की एक 'सोची-समझी साजिश' लगती है। संस्था के निदेशक ने गलती मानने के बजाय लिखित में इन विवादित अंशों का बचाव किया है। यह और भी गंभीर है। हम पता लगाएंगे। सिर तो कटेंगे, हम गहरी जांच करेंगे। हम न्यायपालिका सरीखे संवैधानिक संस्थान को इस तरह बदनाम नहीं होने देंगे। न्यायपालिका पर आज भी करोड़ों लोगों का विश्वास, भरोसा है। उसे टूटने कैसे दिया जा सकता है?' इसी के साथ न्यायिक पीठ ने किताब के फिजिकल या डिजिटल, हार्ड या सॉफ्ट और वेब पोर्टल आदि सभी प्रारूपों और संस्करणों को जब्त करने का आदेश दिया है। किताब की जो 38 प्रतियां बिक चुकी हैं, उन्हें भी हासिल कर जब्त किया जाए। न्यायिक पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी और केंद्रीय स्कूल शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कराए हैं। वे 11 मार्च को अदालत में मौजूद रहेंगे। सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा है कि क्यों न निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए? अदालत ने जो आदेश दिया है, उसकी अनुपालना रपट दो सप्ताह में जमा करानी होगी।

न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं

शिक्षा में न्यायपालिकाः संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

ललित गर्ग

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में "हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका" शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि "किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा" केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संदर्भ और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए। शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है-पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें। यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं। केवल किसी एक संस्था को केंद्र में रखकर समस्या का चित्रण करना न तो शैक्षिक रूप से न्यायोचित है और न ही संवैधानिक संतुलन के अनुरूप। न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है। इस संदर्भ में एक नई शैक्षिक संरचना की आवश्यकता अनुभव होती है। पाठ्य पुस्तकों में "संस्थागत अध्ययन" का प्रारूप इस प्रकार विकसित किया जा सकता है जिसमें तीन आयाम हों-संविधान द्वारा प्रदत्त भूमिका, वास्तविक चुनौतियां और सुधार की पहल। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका पर अध्याय में उसके ऐतिहासिक निर्णय, जनहित याचिका की परंपरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा, साथ ही लंबित मामलों की समस्या और न्यायिक सुधार आयोगों की सिफारिशों का संतुलित उल्लेख किया जाए। इससे छात्र न तो अंधभक्त बनेंगे और न ही निंदक, वे सजग नागरिक बनेंगे। शिक्षा मंत्रालय को भी इस अवसर को आत्ममंथन के रूप में लेना चाहिए। विवाद के बाद अध्याय हटाना तात्कालिक समाधान हो सकता है, पर स्थायी समाधान नहीं। आवश्यकता है एक स्वतंत्र, बहुविषयी समीक्षा तंत्र की, जिसमें विधि विशेषज्ञ, पूर्व न्यायाधीश, शिक्षाशास्त्री, समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञान के जानकार शामिल हों। साथ ही, सार्वजनिक परामर्श की परंपरा विकसित की जा सकती है ताकि पाठ्य पुस्तकें केवल सरकारी दस्तावेज न रहकर सामाजिक सहमति का दस्तावेज बनें। न्यायपालिका भी इस प्रसंग में रचनात्मक पहल कर सकती है। यदि वह स्वयं विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए न्यायिक साक्षरता कार्यक्रम आरंभ करे, न्यायालयों के कार्यप्रणाली पर सरल और संतुलित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराए, तो इससे भ्रांतियों का निवारण होगा। न्यायपालिका की पारदर्शिता और संवादशीलता उसकी गरिमा को और सुदृढ़ करेगी। अंततः यह विवाद हमें यह सोचने को विवश करता है कि हम अपने बच्चों को कैसी नागरिकता का संस्कार देना चाहते हैं। क्या हम उन्हें केवल समस्याओं का बोध देंगे या समाधान की प्रेरणा भी देंगे? क्या हम उन्हें संस्थाओं पर अविश्वास करना सिखाएँगे, या सुधार में सहभागी बनने की चेतना से सम्पन्न बनायेंगे? लोकतंत्र का भविष्य पाठ्य पुस्तकों की पंक्तियों में ही आकार लेता है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा में सत्य हो-पर संतुलित, आलोचना हो-पर रचनात्मक और संस्थाओं की गरिमा अक्षुण्ण रखते हुए सुधार की राह भी खुली रहे। भ्रष्टाचार एक गंभीर राष्ट्रीय चुनौती है, पर उसका समाधान संस्थाओं को कटघरे में खड़ा कर देने से नहीं, बल्कि उन्हें अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनाकर ही निकलेगा। शिक्षा का कार्य इसी संतुलन को साधना है। यदि यह विवाद हमें अधिक परिपक्व, संवादशील और उत्तरदायी शैक्षिक व्यवस्था की ओर ले जाए, तो यह एक नई दिशा, नई दृष्टि और नई संरचना के प्रादुर्भाव का अवसर सिद्ध हो सकता है। लोकतंत्र की सच्ची शक्ति आलोचना और आत्मसुधार के समन्वय में ही निहित है, और यही संतुलन हमारी पाठ्य पुस्तकों में भी प्रतिबिंबित होना।

शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में "हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका" शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि "किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा" केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए।

देश | दुनीया से

मुफ्त की रेवड़ियों से कर्ज के अंधकूप में देश

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकडना सिखाओ और तुम उसे जिंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी-रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनीतिक दलों में मुफ्त की रेवड़ी बांटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों को रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई। मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए 'विदियाल पयानम' योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। इसके अलावा छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1782 करोड़ रुपए और डीजल सब्सिडी के लिए 1857 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13062 करोड़ रुपए मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5463 करोड़ रुपए का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपए कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपए कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़, आंध्र प्रदेश पर 4.85 लाख करोड़ रुपए का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़, केरल पर 4.29 लाख करोड़, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। वर्ष 2016-17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई। वोट बैंक की राजनीति के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए। अब लोन को चुकाने के लिए मार्केट से कर्ज लेकर भी बात नहीं बन रही और तीन हजार करोड़ रुपए अपने बजट से चुकाने होंगे। सोलहवें फाइनेंस कमीशन की रिपोर्ट में हिमाचल सहित अन्य कुछ राज्यों की रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) खत्म कर दी है। इससे हिमाचल सरकार के खजाने पर भारी चोट लगी है। हिमाचल प्रदेश पर कुल देनदारियां 1 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई हैं, जिससे यह पहाड़ी राज्य कर्ज लेने वाले भारतीय राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने स्टेट फाइनेंस रिपोर्ट (2025-26) में कहा है कि मुफ्त की ऐसी योजनाओं के चलते राज्यों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में बुनियादी ढांचे पर खर्च कुल बजट का 10 फीसदी से भी कम रह गया है। मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर रेवडियां बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है। बीते नौ साल में प्रति व्यक्ति कर्ज तीन गुना बढ़ गया है। इसका एक बड़ा कारण केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता को खुलेआम रेवडियां बांटना भी है। देश में प्रति व्यक्ति कर्ज 186206 रुपए हो जाने का अनुमान है। अहम बात यह है कि राजनीतिक दलों को यह भी बताना चाहिए कि इन मुफ्त की योजनाओं के लिए धन कहां से आएगा। अब हमारी फाइनेंशियल पॉलिटिक्स में ईमानदारी और जवाबदेही वापस लाने का समय आ गया है।

कुछ | अलग

चेतन अमल सहज सुख रासी

वस्तु, व्यक्ति और क्रिया- ये तीन चीजें दिखने में आती हैं। इनमें वस्तु तथा क्रिया- ये दोनों प्रकृति हैं और व्यक्ति रूप में जो दिखता है, वह शरीर भी प्रकृति ही है, परंतु इसके भीतर में जो न बदलने वाला है, वह परमात्मा का अंश है। अब अगर 'यह' वस्तु, क्रिया और व्यक्ति में नहीं उलझे, तो यह स्वाभाविक ही मुक्त है; क्योंकि 'यह' परमात्मा का साक्षात अंश है। इसके लिए कहा है- 'चेतन अमल सहज सुख रासी।' यह चेतन है, शुद्ध है, मलरहित है और सहज सुख राशि है, महान आनंद राशि है। यह महान आनंद राशि अपने स्वरूप की तरफ ध्यान न देकर संसार के संबंध से सुख चाहने लग गया। इसने यही भूल हुई है। यह संयोग जन्य सुख में फंस गया। जैसे, धन मिले, तो सुख हो। भोजन मिले, तो सुख हो। भोग मिले, तो सुख हो। कपड़ा, वस्तु, आदर, मान, सत्कार मिले, तो सुख हो। यह बड़े आश्चर्य की बात है कि स्वयं नित्य निरंतर रहने वाला है- 'सहज सुख रासी' स्वाभाविक ही सुख राशि है, परंतु इसमें यह वहम पड़ गया है कि संसार के पदार्थ मिलने से सुख होगा। यह बिछुड़ेगा जरूर ही 'संयोगा विप्रयोगान्ताः' जितने संयोग होते हैं, उनका अंत में वियोग होता है, तो संबंध से होने वाला सुख रहेगा कैसे? मनुष्य यह विचार नहीं करता है कि आज दिन तक संयोग से जितने सुख लिए थे, वे आज नहीं रहे। संयोग से होने वाले सुख का नमूना तो देख ही लिया; लेकिन अब भी चेत नहीं करते फिर और चाहते हैं कि संयोग से सुख ले लें। जब तक बाहर के संयोग से संसार के संबंध से सुख लेगा, तब तक इसको वास्तविक सुख नहीं मिलेगा। 'बाह्यस्पर्शेष्वसक्तात्मा' बाह्य सुख (संयोग जन्य सुख) में आसक्त नहीं होगा, तो 'विंदत्यात्मनि यत्सुखम्' उस विलक्षण सुख को आप से आप प्राप्त हो जाएगा।

आप का | नजरीया

ट्रांसफर की परिधि में कैडर

कैडर के हिसाब से स्थानांतरण की नियमावली जिला और राज्य की सहूलियत में स्पष्ट हुई, जब अदालत ने निर्देश दिए कि ट्रांसफर की परिधि में कैडर से बाहर जाने की छूट नहीं मिलेगी। यानी जिला कैडर के नियुक्ति पत्र हासिल किए हैं तो सर्विस के मायने सीमित हैं। अमूमन जिला कैडर की नियुक्तियों को अदृश्य शक्तियों के प्रयोग से बदला जाता रहा है। इससे भर्ती और सेवा के नियम प्रभावित होते हैं। हिमाचल की वर्तमान सरकार ने सेवा क्षेत्र का विस्तार करते हुए कई कैडर राज्यस्तरीय बना दिए हैं, ताकि कार्यसंस्कृति में व्यापक सेवा भाव अब जागृत हो। सामान्य तौर पर ट्रांसफर की बनावट व लागत में पारदर्शिता का अभाव रहता है। यह इसलिए भी कि धीरे-धीरे एक राजनीतिक कैडर बन चुका है। बहुत मुश्किल है ट्रांसफर के पंखों को हिलाना। अंततः हिमाचल के विधायक इसे भी अपनी जागीर मान कर विधानसभा के कई अध्याय समाप्त कर लेते हैं। ऐसे में सीबीएसई स्कूलों का कैडर एक नए प्रयोग की शुरुआत कर रहा है। कुछ स्थायित्व के एहसास से अगर शिक्षक को पांच से दस साल के कार्यकाल में कुछ दिखाना हो, तो स्थानांतरण नीति का चेहरा बदलना ही होगा। स्थानांतरण नीति का सिक्का उछालकर सरकारें कुछ प्रयत्न करतीं तो दिखाई दीं, लेकिन हुआ कुछ नहीं। वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल व जयराम ठाकुर की सरकारों ने ट्रांसफर पॉलिसी के व्याकरण बदलने की कोशिश की, लेकिन यह डगर कठिन और अवांछित ही बनी रही। सारी कसरतें सचिवालय के गलियारों में और जन प्रतिनिधियों के इशारों पर ही रहीं। इसलिए माननीय हाई कोर्ट ने प्रथम श्रेणी के अधिकारियों के ट्रांसफर मामले में भी ट्रांसफर के लिए उचित समय की कार्य सीमा माना है। यानी कुछ तो वक्त दो कि इश्क करें, मुजरिम नहीं कि कैद में रहें। दरअसल ट्रांसफर एक सियासी रोग है, जो हर सरकार की हथकड़ी की तरह अमल में आता है। ट्रांसफर से केवल सियासी प्रोत्साहन-प्रश्रय पनपता है, जबकि होना यह चाहिए इसके माध्यम से कार्यसंस्कृति की समीक्षा होती रहे। आश्चर्य यह कि कर्मचारी मामलों का एक बड़ा पिटारा प्रदेश के सामने रहता है, जिसे वक्त-वक्त पर खोला जाता रहा है। इसी पिटारे की विडंबनाएं, कर्मचारी कैडर की विसंगतियां, वेतन-भत्तों की असमानताएं और दबाव सामने आते हैं। इसी से निकलते हैं कर्मचारी संगठन और संघर्ष, दावे-प्रति दावे और राजनीतिक मुद्दे। सरकारी ढांचे में इतने सुराख हैं कि कोई भी सरकार न तो यह तय कर पाई कि प्रदेश को औकात में रहने के लिए कितने कर्मचारी-कितने दफ्तर, कितने शिक्षक-कितने स्कूल, कितने डाक्टर-कितने अस्पताल चाहिएं। राज्य की अर्थव्यवस्था को देखते हुए, कर्मचारी साम्राज्य के लिए अनुशासन की पद्धति और इंतजाम चाहिएं। राज्य के व्यावहारिक संतुलन के लिए कर्मचारी मामलों की पड़ताल तब शुरू होगी, जब ये सरकार के मुख्य बिंदु नहीं रहेंगे। इसके लिए सर्वप्रथम ऐसे स्थानांतरण नीति-नियम चाहिएं, जो कर्मचारी व अधिकारी को आश्वासन दें कि यह एक तरह की प्रोत्साहन नीति है। घर से कार्य स्थल की दूरी के हिसाब से लाभ व सुविधाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। कुछ कैडर घर से दस-पंद्रह किलोमीटर, तो कुछ पच्चीस से पच्चास किलोमीटर की दूरी तय करके यह बताएं कि वित्तीय लाभ क्या है। इसी के साथ आवासीय सुविधाएं तथा निजी क्षेत्र की तरह कार्य स्थल की भूमिका में स्थायित्व बोध चाहिए। सरकार को अपने व्यय पर आवासीय व्यवस्था करने के बजाय निजी इमारतों में किराए के आधार पर आवास उपलब्ध कराने चाहिएं। पूरे प्रदेश में बेरोजगारों को कर्मचारी आवास योजना से जोड़ दिया जाए, तो ये किराए की इमारतें एक तरफ सरकारी व्यय की बचत करेंगी जबकि दूसरी ओर युवाओं को रोजगार का नया निवेश करना सिखाएंगी। प्रदेश सरकार को अपनी अधोसंरचना विकास में युवा बेरोजगारों को पार्टनर बना कर परिवहन, आवास और नए संकल्पों से जोडना होगा। बहरहाल, स्टेट और डिस्ट्रक्ट कैडर की परिसीमा में अदालत ने जो मार्गदर्शन किया है, उससे कार्य संस्कृति के मानदंड सीमाबद्ध हुए हैं।

अमूमन जिला कैडर की नियुक्तियों को अदृश्य शक्तियों के प्रयोग से बदला जाता रहा है। इससे भर्ती और सेवा के नियम प्रभावित होते हैं। हिमाचल की वर्तमान सरकार ने सेवा क्षेत्र का विस्तार करते हुए कई कैडर राज्यस्तरीय बना दिए हैं, ताकि कार्यसंस्कृति में व्यापक सेवा भाव अब जागृत हो। सामान्य तौर पर ट्रांसफर की बनावट व लागत में पारदर्शिता का अभाव रहता है। यह इसलिए भी कि धीरे-धीरे एक राजनीतिक कैडर बन चुका है। बहुत मुश्किल है ट्रांसफर के पंखों को हिलाना। अंततः हिमाचल के विधायक इसे भी अपनी जागीर मान कर विधानसभा के कई अध्याय समाप्त कर लेते हैं। ऐसे में सीबीएसई स्कूलों का कैडर एक नए प्रयोग की शुरुआत कर रहा है। कुछ स्थायित्व के एहसास से अगर शिक्षक को पांच से दस साल के कार्यकाल में कुछ दिखाना हो, तो स्थानांतरण नीति का चेहरा बदलना ही होगा। स्थानांतरण नीति का सिक्का उछालकर सरकारें कुछ प्रयत्न करतीं तो दिखाई दीं, लेकिन हुआ कुछ नहीं। वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल व जयराम ठाकुर की सरकारों ने ट्रांसफर पॉलिसी के व्याकरण बदलने की कोशिश की, लेकिन यह डगर कठिन और अवांछित ही बनी रही। सारी कसरतें सचिवालय के गलियारों में और जन प्रतिनिधियों के इशारों पर ही रहीं।

दृष्टि | कोण

अंतरिक्ष तक नारी का वैज्ञानिक नेतृत्व

विज्ञान और वैज्ञानिक आविष्कार मानव सभ्यता के विकास की सबसे सशक्त और निर्णायक कड़ी रहे हैं। विश्व में हुए छोटे-बड़े प्रत्येक वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव जीवन को अधिक सरल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, अपितु समाज की दिशा एवं दशा तय करने वाली चेतना है। आदिमानव ने जब अग्नि की खोज की, तब उसने न केवल प्रकाश और ऊष्मा ही प्राप्त की, बल्कि अज्ञान और भय के अंधकार को भी चुनौती देने का काम किया। इसके बाद पहिए के आविष्कार ने मानव जीवन में गति, कृषि तकनीकों ने स्थायी जीवन, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन एवं अर्थव्यवस्था को नया आयाम प्रदान करने तथा बीसवीं सदी में कंप्यूटर तथा इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक वैश्विक गांव में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, जैव-प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष अनुसंधान मानव जीवन को नई दिशा और नई संभावनाएं दे रहे हैं। इसी वैज्ञानिक चेतना ने महिलाओं को वह शक्ति प्रदान की जिसके माध्यम से वे सदियों पुराने बंधनों को तोडकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकीं। भारतीय समाज में एक समय ऐसा था जब महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। उन्हें घर की चारदीवारी तक सीमित कर दिया जाता था और उनके अधिकार सामाजिक परंपराओं के नाम पर दब जाते थे। किंतु जैसे-जैसे शिक्षा का प्रसार हुआ और समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित हुआ, महिलाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुलने लगे। स्वतंत्रता के पश्चात संविधान द्वारा प्रदत्त समान अधिकारों ने इस परिवर्तन को सुदृढ़ आधार प्रदान किया। परिणामस्वरूप शिक्षा, तकनीकी संस्थानों और अनुसंधान क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ने लगी। आज विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, रक्षा, अंतरिक्ष, चिकित्सा, पर्यावरण और डिजिटल नवाचार जैसे क्षेत्रों में महिलाएं न केवल सक्रिय सहभागी हैं, बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका भी निभा रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कल्पना चावला का जीवन भारतीय महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका साहस और समर्पण लाखों बालिकाओं को विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। इसी प्रकार टेस्सी थॉमस ने 'अग्नि' मिसाइल परियोजना का नेतृत्व कर भारत की सामरिक क्षमता को सुदृढ़ किया। 'मिसाइल वुमन ऑफ इंडिया' के रूप में प्रसिद्ध टेस्सी थॉमस यह प्रमाणित करती हैं कि महिलाएं रक्षा अनुसंधान जैसे जटिल और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी अग्रिम पंक्ति में खड़ी हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मंगलयान और चंद्रयान अभियानों में भी अनेक महिला वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन अभियानों की सफलता ने यह स्पष्ट किया है कि भारतीय महिला वैज्ञानिक विश्वस्तरीय तकनीकी दक्षता और नेतृत्व क्षमता रखती हैं। इतना ही नहीं, जैव-प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में किरण मजूमदार शॉ का योगदान अत्यंत उल्लेखनीय है। उन्होंने बायोटेक उद्योग में नवाचार को प्रोत्साहित कर भारत को वैश्विक स्वास्थ्य मानचित्र पर प्रतिष्ठित किया। उनके प्रयासों से जीवनरक्षक दवाओं को सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त हुईं। इसी क्रम में गगनदीप कांग का नाम भी विशेष उल्लेखनीय है, जिन्होंने संक्रामक रोगों पर शोध कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया। इसके अलावा कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के दौरान भारतीय महिला वैज्ञानिकों एवं चिकित्सकों ने अनुसंधान, वैक्सीन विकास और स्वास्थ्य प्रबंधन में सराहनीय योगदान दिया।

डबल इंजन सरकार प्रदेश के प्रत्येक वर्ग को दे रही राहत : मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

जयपुर/अजमेर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया में अब तक 29 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत होकर विश्व मंच पर 140 करोड़ देशवासियों का मान बढ़ाया है। हाल ही में सम्पन्न हुई एआई समिट में पूरे विश्व ने देखा कि भारत भविष्य के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और दूरदर्शी सोच से भारत अब वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में शनिवार को अजमेर की कायड विश्रामस्थली पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का राजस्थान के प्रति विशेष लगाव रहा है। वे जब भी राजस्थान आए हैं हमेशा प्रदेश को विकास की अनेक सौगातें देते हैं। उनके मार्गदर्शन में हमारी डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री के *राजस्थान राइजिंग, रिलाएबल, रिसेप्टिव और रिफाइन* की अवधारणा को अपना ध्येय मान कर आगे बढ़ रहे हैं। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। गत सरकार के समय हुए पेपरलीक के माफिया अब गिरफ्त में हैं। राज्य सरकार ने युवाओं को 4 लाख भर्तियों के संकल्प की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। अब तक सवा लाख से अधिक नौकरियां दी गई हैं। 1 लाख 33 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वर्ष 2026 में 1 लाख से अधिक नए पदों पर भर्ती कैलेंडर जारी किया गया है। इन सभी निर्णयों से युवाओं में हमारी सरकार के प्रति विश्वास बहाली हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसानों के सम्मान और सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमारी सरकार ने भी विकसित राजस्थान 2047 का विजन दस्तावेज जारी किया है। हमारी सरकार ने इस वर्ष के बजट में वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री ने वर्षों से लंबित जल विवादों के समाधान के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हथिनी कुंड बैराज से यमुना का पानी लाने की परियोजना से शेखावाटी क्षेत्र की जल समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। वहीं, रामजल सेतु लिंक परियोजनाओं से 17 जिलों को पेयजल और सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार प्रवर्तित योजनाओं में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। देश की 11 योजनाओं में राजस्थान पहले स्थान पर, 5 में दूसरे और 7 योजनाओं में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि कुसुम कॉम्पोनेन्ट ए और सी में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर हैं। पीएम सूर्यघर योजना में भी हमारी सरकार ने 1 लाख 31 हजार रुफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधों में औसतन 14 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं, महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों में भी 10 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि गत 2 वर्षों में अब तक दर्जनभर से अधिक नीतियां लागू की गई हैं। साथ ही, राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपए की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़ सहित राज्य सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शनिवार को अजमेर के कायड़ विश्राम स्थली पर आयोजित जनसभा के शुरू में तीर्थराज पुष्कर और माता सावित्री के जयकारे लगवाए। उन्होंने खुद को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि पुष्कर की पावन भूमि पर उन्हें जनता के बीच पहुंचने और जनता जनार्दन का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला है। उन्होंने मंच से सुरसुरा के तेजाजी धाम को, सम्राट पृथ्वीराज की भूमि अजमेर को प्रणाम किया। इसके बाद जनता से तीर्थराज पुष्कर की जय हो, वीर तेजाजी महाराज की जय हो, भगवान देव नारायण की जय हो, वरुण अवतार भगवान झूलेलाल जी की जय हो के जयकारे लगवाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को भारत माता की जय के उद्बोधन के साथ शुरू किया और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल होने की याद दिलाते हुए वंदे मातरम् के जनसभा द्वारा जयघोष करवाते हुए संबोधन को विराम दिया। उन्होंने जनता जनार्दन को कहा कि वंदे मातरम के 150 साल देश मना रहा है। वंदे मातरम उनके साथ बोलिए। फिर पूरा सभा स्थल वंदे मातरम् के जयघोष से काफी देर तक गूंजता रहा। प्रधानमंत्री की जनसभा में पहुंचने वाले साधू व संतों के लिए अलग से मंच बनाया गया था।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बांस घाट विद्युत शवदाह गृह एवं संपर्क सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राजधानी पटना के बांस घाट क्षेत्र स्थित विद्युत शवदाह गृह का निरीक्षण कर वहां की वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन अत्याधुनिक शवदाह गृह परिसर के कार्यों की प्रगति एवं अद्यतन स्थिति की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने मंदिरी नाला परियोजना के तहत निर्माणाधीन दो-लेन संपर्क सड़क के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। यह संपर्क सड़क नेहरू पथ (बेली रोड) के आयकर चौराहा से दानापुर-बांकीपुर पथ होते हुए बांस घाट के रास्ते जेपी गंगा पथ से जोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि बांस घाट स्थित शवदाह गृह परिसर का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति को देखते हुए परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनसुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने मंदिरी नाला परियोजना के अंतर्गत बन रही दो-लेन सड़क के निर्माण कार्य में तेजी लाने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सड़क के पूर्ण होने से नेहरू पथ और जेपी गंगा पथ के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा, जिससे शहरवासियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी और यातायात दबाव भी कम होगा।

शराब नीति को लेकर अदालत के फैसले के बाद सड़कों पर निकले केजरीवाल समर्थक

झज्जर (हिंस)। दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल को लेकर आए अदालती फैसले के बाद आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। शनिवार को झज्जर की देशवाल मार्केट में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। ढोल की थाप पर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया। इस खुशी के मौके पर आम आदमी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र नांगल, प्रवक्ता अभिता, जिलाध्यक्ष हरीश कुमार व रज्जे धौड़ मुख्य तौर पर शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने अदालत के इस फैसले को लोकतंत्र की जीत और सच्चाई की विजय बताया। इस दौरान आप नेताओं ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि षड्यंत्र के तहत अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को फंसाने का प्रयास किया गया। उन्होंने दावा किया कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दिल्ली में हुए सुधारों से राजनीतिक विरोधी घबरा गए थे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि दिल्ली का शिक्षा मॉडल आज देशभर में चर्चा का विषय है और सरकारी स्कूलों में हुए सुधारों को जनता आज भी याद करती है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, मोहल्ला क्लीनिक और सरकारी अस्पतालों की स्थिति में सुधार को भी उन्होंने आम आदमी पार्टी की बड़ी उपलब्धि बताया। आप के स्थानीय नेताओं ने कहा कि अदालत का यह फैसला ऐतिहासिक है और इससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जनता को गुमराह कर दिल्ली की सत्ता हासिल की, लेकिन सच्चाई अंततः सामने आ ही जाती है। आप समर्थकों ने अरविंद केजरीवाल को ईमानदार और देशभक्त नेता बताते हुए कहा कि कट्टर ईमानदारी की ताकत को चुनौती देने का प्रयास किया गया, लेकिन न्यायपालिका ने सत्य का साथ दिया।

राहुल ने पंजाब में कांग्रेस को दिया एकजुटता का संदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पंजाब में कांग्रेस नेताओं को एकजुट होकर काम करने के निर्देश देते हुए अनुशासनहीनता पर कठोर कार्रवाई के संकेत दिए हैं। कांग्रेस ने शनिवार को बरनाला में मजदूर महारैली आयोजित कर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया। राहुल गांधी की रैली के बाद अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 14 मार्च को मोगा में रैली करेंगे।शनिवार को बरनाला में राहुल गांधी ने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी को संदेश देना चाहते हैं कि काम टीम वर्क से होता है। एक खिलाड़ी गेम नहीं जीत सकता है। हमारे पास पूरी टीम बैठी है। टीम प्लेयर बनो। वरना रिजर्व में बैठा दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि नेता बड़ा नहीं होता बल्कि पार्टी व संगठन बड़ा होता है। उन्होंने कहा कि 4 महीने से अमेरिका-भारत डील रुकी थी। संसद में उन्हें बोलने नहीं दिया गया। पीएम ने ट्रंप को फोन किया। लेकिन किसी मंत्री को नहीं पूछा और कह दिया कि मैं डील के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि डील में सोयाबीन दाल, अखरोट, बादाम यह सारा अमेरिका को दे दिया है। हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा के किसान बर्बाद होने जा रहे हैं। मोदी ने दरवाजा खोल दिया है। अमेरिका का सामान आ रहा है। सवाल

शाहपुरा जिला बहाली की मांग पर बंद काला दिवस में उमड़ा जनाक्रोश

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा जिले में शाहपुरा उपखंड मुख्यालय को पुनः जिला बनाने की मांग को लेकर शनिवार को पूरे कस्बे में बंद रखा गया। शाहपुरा जिला बहाल करो संघर्ष समिति के आह्वान पर बाजार, प्रतिष्ठान और निजी संस्थान बंद रहे। अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों ने आंदोलन को समर्थन दिया। काला दिवस के रूप में मनाए गए इस विरोध प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नाराजगी खुलकर सामने आई। संघर्ष समिति अध्यक्ष एडवोकेट दुर्गालाल राजौरा ने कहा कि नौ माह पूर्व जयपुर में हुई वार्ता में शाहपुरा विधायक की मौजूदगी में सरकार ने शाहपुरा को पुनः जिला बनाने का सकारात्मक आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार के इस रवैए से आमजन में भारी आक्रोश है और अब आंदोलन को और तेज किया जाएगा। दोपहर में महलों के चौक बालाजी की छतरी से वाहन रैली निकाली गई। रैली शांतिपूर्ण नारेबाजी करते हुए उपखंड कार्यालय पहुंची, जहां उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम नौवां स्मरणपत्र सौंपा गया। समिति महासचिव एडवोकेट कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि 28 दिसंबर 2024 को राज्य सरकार ने शाहपुरा का जिला दर्जा समाप्त कर दिया था। इसके बाद से प्रत्येक माह की 28 तारीख को ब्लैक डे मनाकर सरकार को अपना वादा याद दिलाया जा रहा है। एक वर्ष दो माह बीत जाने के बाद भी मांग पूरी नहीं होने से लोगों में निराशा और रोष दोनों बढ़ते जा रहे हैं। समिति के संयोजक रामप्रसाद जाट, सूर्य प्रकाश ओझा, संरक्षक सत्यनारायण पाठक, अजय मेहता, हाजी उस्मान मोहम्मद छिपा, कोषाध्यक्ष उदयलाल बेरवा और सहसचिव नूर मोहम्मद रंगरेज सहित कई पदाधिकारी बाजारों में घूमकर जनसमर्थन जुटाते नजर आए।

मजहबी कट्टरता के खिलाफ आवाज उठाने वाले यू-ट्यूबर सलीम पर हुए जानलेवा हमले का मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

गाजियाबाद (हिंस)। मुस्लिम धर्म की कुरीतियों और धार्मिक कट्टरता के खिलाफ बोलने वाले यू-ट्यूबर सलीम वारसी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आज स्वंय संज्ञान लिया है। उन्होंने शनिवार को अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मामले में कोई कोताही न बरती जाए। इस घटना को कारित करने वाले बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के द्वारा उक्त घटना का संज्ञान लेने से गाजियाबाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। पुलिस के अधिकारी भागे हुए आरोपियों की तलाश में जुट गए हैं। पीड़ित के ऊपर शुक्रवार को एक के बाद एक 14 वार गर्दन और पेट में चाकू घोंपे गए। जब तक सलीम बेहोश नहीं हुए हमलावर चाकू मारते रहे। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। उन्हे जीटीबी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पीड़ित के बेटे उस्मान ने भाटी बिल्डर और एएमआईएम नेता अजगर, अशफाक, शाहरुख और सोनू के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि अल्वीनगर निवासी उस्मान ने बताया कि उनके पिता सलीम वारसी एक यूट्यूब चैनल चलाते हैं। अली गार्डन कॉलोनी में उनका कार्यालय है। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी की सुबह करीब छह बजे उनके पिता कार्यालय पर गए थे। उसी दौरान दो अज्ञात बाइक सवार हेलमेट पहनकर कार्यालय में घुस गए। आरोपियों ने उनके पिता पर चाकू से ताबड़तोड़ गर्दन और पेट पर कई बार किए। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार उनके पिता के बेहोश होने के बाद उन्हें मरा हुआ समझकर बदमाश वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग कार्यालय में पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

आईडीएफसी बैंक घोटाले में ईडी ने एसीबी से मांगा रिकार्ड

चंडीगढ़(हिंस)। आईडीएफसी बैंक द्वारा हरियाणा सरकार के साथ किए गए 590 करोड़ के फर्जीवाड़े में अब ईडी भी जांच करेगी। इस मामले में हरियाणा एसीबी पहले से जांच कर रही है। जांच के चलते एसीबी द्वारा बैंक के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट के अधिकारियों ने घोटाले की जांच कर रही एंटी करप्शन ब्यूरो को पत्र लिखकर घोटाले से जुड़े दस्तावेज मांगे हैं। दस्तावेज मिलते ही ईडी इस केस की जांच करेगी। ईडी की टीम द्वारा पहले ही दिन से इस मुद्दे पर नजर रखी जा रही है और अपने स्तर पर कई तरह की जानकारियां एकत्र की जा चुकी हैं। एसीबी द्वारा गिरफ्तार आरोपी सात दिन के पुलिस रिमांड पर हैं। रिमांड अवधि खत्म होने के बाद ईडी मामला दर्ज कर आरोपियों को अपनी हिरासत में ले सकती है। एसीबी ने जांच के दौरान बैंक अधिकारी व कर्मचारियों को तलब किया। जिनसे कई दौर की पूछताछ दिनभर होती रही। पूछताछ के दौरान आरोपियों के समक्ष भी बैंककर्मियों को ले जाया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने होली पर्व पर 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को दिया सब्सिडी का उपहार, 1500 करोड़ रुपए वितरित

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में होली पर्व पर प्रदेश के 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को बड़ा उपहार देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से गैस सिलिंडर रीफिल सब्सिडी की 1,500 करोड़ की धनराशि वितरित की। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 10 महिला लाभार्थियों को प्रतीक स्वरूप चेक प्रदान किए और कहा कि उनकी सरकार महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन के लिए लगातार काम कर रही है। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी डिजिटल माध्यम से जुड़े। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना संबोधन प्रदेशवासियों को होली की बधाई देकर शुरू किया और कहा कि होली पर्व समता का पर्व है। इस पर्व में न कोई बड़ा न कोई छोटा होता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार ने यह योजना 2022 में शुरू की थी। इसी कड़ी में आज 1500 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है। लाभार्थी होली के पहले या होली के बाद अपने नजदीकी एजेंसी से भरा हुआ सिलिंडर फ्री में ले सकते हैं। योजना का लाभ सबको देने का एक ही मंत्र है *सबका साथ सबका विकास*। उज्जवला परिवार को 09 सिलिंडर पर पहले से मोदी सरकार सब्सिडी दे रही है और अब होली पर हम फ्री भरा हुआ सिलेंडर दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि आयुष्मान कार्ड से पांच लाख तक का कैशलेस इलाज मिलता है। शिक्षक और शिक्षणेतर कर्मियों को भी इससे जोड़ा गया है। समाजवादी पार्टी का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले माफिया शासन चलाते थे। पर्व के पहले उपद्रव हो जाते थे और फिर कर्फ्यू लग जाता था लेकिन आज स्थिति बिल्कुल बदल गई है और देश-दुनिया का हर बड़ा निवेशक उत्तर प्रदेश आना चाहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिला सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तीकरण पर काम कर रही है। ब्रजेश पाठक ने सर्वाइकल कैंसर से लड़ रही बेटियों के लिए व्यवस्था की। 2100 रुपए का इंजेक्शन अब 300 रुपए में मिलेगा। पहले के लोगों के लिए उनका परिवार की प्रदेश था और परिवार पूरे प्रदेश को नोचने के लिए जुटा रहता था हमारे लिए पूरा प्रदेश परिवार है। हाल ही में प्रस्तुत किए गए उत्तर प्रदेश के बजट की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी का कार्यक्रम हो या सीमार्ट। महिलाओं को

आगे बढ़ाया जा रहा है। महिला उद्यमी जो भी उत्पाद बनाएंगी उसकी बिक्री की समुचित व्यवस्था की जा रही है; महिला उत्पाद विपणन केंद्र के माध्यम से बेचे जाएंगी; मुख्यमंत्री महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए ब्याजमुक्त ऋण दे रही है; सुमंगला योजना समेत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार से जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में पहले महिला श्रम बल पहले 13 फीसदी थी लेकिन अब सुरक्षा का माहौल होने से यह बढ़कर 36 फीसदी हो गया है। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाद में एक लाख की मदद दी जाती है। आज सरकार हर बेटी का कन्यादान करने के लिए तैयार है। राशन की दुकानों में पहले ई-पॉश मशीनें नहीं थीं, आज ई-पॉश मशीनों से पारदर्शिता आई है। यह दुकानें नशा का सामान छोडकर हर प्रकार की वस्तु का विक्रय कर सकती हैं। आज गांव की बेटी गांव में ही बीसी सखी के रूप में काम कर रही हैं। गांव में कई प्रकार के रोजगार की सुविधाएं दी जा रही हैं। पर्व उत्साह के होता हैं। इस मौके पर आपसी भेदभाव दूर करने वाले कार्यक्रम होने चाहिए। इसके पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि होली पर सब गिले शिकवे भुला देते हैं। उन्होंने योगी सरकार में चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पूछा कि इनका लाभ आप लोगों को मिल रहा है या नहीं। कार्यक्रम में लोगों ने कहा हां लाभ मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की शुरुआत की थी ताकि महिलाओं को खाना बनाते समय धुएं की परेशानी न उठानी पडी जैसी उन्होंने बचपन में अपनी मां की परेशानी देखी थी। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ से अधिक लोगों को इस योजना का सिलिंडर मिला।

जोधपुर शहर में दो मार्च को होगा होलिका दहन, अगले दिन चंद्र ग्रहण

शहर में दो मार्च को होगा होलिका दहन, अगले दिन चंद्र ग्रहण

जोधपुर(हिंस)। इस वर्ष होली के पावन पर्व पर भद्रा और खग्रास चंद्र ग्रहण का एक अत्यंत दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस कारण होलिका दहन दो मार्च को किया जाएगा। वहीं इसके अगले दिन चंद्र ग्रहण रहेगा। हालांकि होली खेलने में ग्रहण बाधक नहीं बनेगा लेकिन सूतक लगने के कारण मंदिरों के पट बंद रहेंगे और धार्मिक व मंगल कार्य नहीं होंगे। ज्योतिषियों के अनुसार होली का पर्व 2 और 3 मार्च को मनाया जाएगा। दो मार्च को होलिका दहन किया जाएगा, जबकि अगले दिन तीन मार्च को धुलंडी यानी रंगों का त्योहार मनाया जाएगा। ज्योतिषियों के अनुसार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर होलिका पूजन का विशेष महत्व होता है। शास्त्रसम्मत नियमों के अनुसार होलिका दहन भद्रा रहित प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा को करना ही श्रेष्ठ माना गया है। दो मार्च को पूर्णिमा तिथि शाम 5.56 बजे से प्रारंभ होगी। इसी समय से भद्रा काल भी शुरू हो जाएगा जो अगले दिन सुबह 5.32 बजे तक रहेगा। इस बार प्रदोष काल में होलिका दहन के लिए केवल 12 मिनट का समय उपलब्ध रहेगा। शाम 6.24 बजे से शाम 6.36 बजे के बीच का समय दहन के लिए सर्वश्रेष्ठ है। इसके अलावा परंपरा के अनुसार मध्यरात्रि 01.23 बजे से 02.34 बजे के बीच भद्रा

पुच्छ के दौरान भी होलिका दहन किया जा सकता है। इस वर्ष रंगों का त्योहार धुलंडी तीन मार्च को खग्रास चंद्र ग्रहण के साये में मनाया जाएगा। यह ग्रहण दोपहर 3.20 बजे शुरू होगा और शाम 6.48 बजे समाप्त होगा। भारत में दिखाई देने के कारण इसका धार्मिक महत्व होगा और इसका सूतक काल ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले यानी मंगलवार सुबह 6.20 बजे से ही लागू हो जाएगा। सूतक काल के दौरान मंदिरों के दर्शन और शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। धुलंडी के अवसर पर निकलने वाली ऐतिहासिक *रावजी की गेर* इस बार तीन मार्च को निकलेगी। इसको लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रावजी की गेर को लेकर माली समाज के लोगों में उत्साह है। पिछले 633 सालों से ये गेर निकाली जा रही है, जो बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से निकाली जाती है। इस बार भी रावजी की गैर मंडावता बेरा मंदिर चौक से पूजा अर्चना कर खोखरिया बेरा पहुंचे। यहां से गैर को साथ लेकर मंडावता चौराहा होते हुए भिंयाली बेरा, गोपी का बेरा होते हुए फतेहबाग आएगी। गेर में एक ओर विशेष परंपरा है, जिसके अनुसार ऐसे युवक को राव बनाया जाता है, जो नवविवाहित हो और अच्छी कद-काठी के साथ-साथ नाचने में भी माहिर हो। मंडावता बेरा के शिव मंदिर से अमूमन दोपहर साढ़े तीन बजे बाद गेर का आगाज होता है। यहां से गेर खोखरिया बेरा जाती है और वहां के लोगों को साथ लेकर भियाली बेरा, गोपी का बेरा के अंदर से फूलबाग नदी होते हुए फतेहबाग संतोकजी के बेरे पर पहुंचती है। यहां आमली बेरा वाले भी मौजूद रहते हैं। आमली बेरा के दो परिवार बारी-बारी से ही राव का चयन करते हैं। लेकिन खास बात यह है, कि खोखरिया बेरा से ही राव का चयन किया जाता है। वे एक युवक को चुनकर उसकी पीठ पर छापा लगाते हैं। राव तय होने के बाद उसका श्रृंगार किया जाता है। यहां राव चुनने के बाद गेर आमली बेरा होते हुए लाला बेरा, मंडोर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे से, भलावता बेरा होते हुए मंडोर चौराहे होते हुए मंडोर गार्डन में प्रवेश करती है। जहां से मंडोर उद्यान में बने राव कुंड पहुंचती है। इसमें आठ बेरों की गेर सम्मिलित होती है। खोखरिया बेरा, बड़ा बेरा, गोपी बेरा, आमली बेरा, फूलबाग बेरा, नागौरी बेरा, मंडोर बेरा, पदाला बेरा आदि की गेर सम्मिलित होती है। राव को चुनने के बाद उसको सही सलामत रूप से मंडोर उद्यान के राव कुंड तक पहुंचाने में सुरक्षा की जिम्मेदारी मंडावता बेरा के लोगों की ही होती है।

बक्सर में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार जेके सीमेंट और कोका-कोला प्लांट का शुभारंभ

बक्सर (हिंस)। बक्सर जिले के ब्रह्मपुर में औद्योगिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। यहां जे के सीमेंट की अत्याधुनिक ग्राइंडिंग यूनिट का भव्य लोकार्पण एवं शुभारंभ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने आज किया। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से यूनिट का उद्घाटन कर इसे राज्य के औद्योगिक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री ने कहा कि यह परियोजना न केवल बक्सर, बल्कि पूरे क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई गति देगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे, निवेश को बढ़ावा मिलेगा और आधारभूत संरचना मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि उद्योग, निवेश और रोजगार के माध्यम से विकास की नई संभावनाएं सृजित करना एनडीए सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम

में नवानगर औद्योगिक क्षेत्र में 1200 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित कोका कोला के अत्याधुनिक संयंत्र का भी शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में भी उपमुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। अपने संबोधन में इन्होंने कहा कि यह कोका-कोला प्लांट बिहार में औद्योगिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेगा तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएगा। राज्य को औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में यह पहल एक मील का पत्थर साबित होगी।

पीपीएफ में एक व्यक्ति अपने नाम पर खोल सकता है केवल एक खाता, संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं

नई दिल्ली

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) भारत में सबसे भरोसेमंद बचत योजनाओं में से एक है। वित्त मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय बचत संस्थान के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति अपने नाम पर केवल एक ही पीपीएफ खाता खोल सकता है। यह खाता बैंक में हो या डाकघर में, फर्क नहीं पड़ता। संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं है। अगर किसी के नाम पर एक से अधिक खाते पाए जाते हैं, तो अतिरिक्त खाते को अनियमित माना जा सकता है और उसमें जमा राशि बिना ब्याज के वापस भी की जा सकती है। पीपीएफ खाते व्यक्ति के पैन नंबर से लिंक होते हैं। इसलिए अलग-अलग बैंक या डाकघर में खाते खोलकर अधिक टैक्स फायदा लेने की कोशिश सिस्टम में पकड़ी जा सकती है। अभिभावक अपने नाबालिग बच्चे या मानसिक रूप से अक्षम व्यक्ति के लिए, पीपीएफ खाता खोल सकता है। लेकिन नियम स्पष्ट करते हैं कि एक बच्चे पर सिर्फ एक खाता ही खोला जा सकता है और दूसरे अभिभावक को उसी बच्चे के नाम पर खाता खोलने की अनुमति नहीं है। पीपीएफ में न्यूनतम जमा 500 और अधिकतम 1.5 लाख रुपए प्रति वित्त वर्ष है। यह सीमा कुल मिलाकर लागू होती है।

फरवरी में सीमेंट की औसत कीमत 342 रुपये प्रति बोरी पहुंची

नई दिल्ली। फरवरी में सीमेंट बाजार ने मिलीजुली तस्वीर पेश की। जनवरी में बढ़ी कीमतों के बाद उम्मीद थी कि रुझान और मजबूत होगा, लेकिन स्थिति न तो बहुत तेज रही और न ही पूरी तरह सुस्त। पूरे देश में औसत ट्रेड कीमत 2 रुपये बढ़कर 342 रुपये प्रति बोरी हो गई। क्षेत्रीय तौर पर हालात अलग रहे। पश्चिम भारत में दाम 7 रुपये प्रति बोरी तक बढ़कर सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। पूर्व में 4 रुपये और उत्तर में 3 रुपये की तेजी रही। मध्य भारत में कीमतें लगभग स्थिर रहीं, जबकि दक्षिण भारत में औसतन 2 रुपये प्रति बोरी की गिरावट दर्ज की गई। कुछ बाजारों में महीने की शुरुआत में बढ़ी कीमतें बाद में सामान्य हो गईं। जनवरी और फरवरी मिलाकर चालू तिमाही में औसत दाम पिछली तिमाही से करीब 1 प्रतिशत अधिक रहे। इससे कंपनियों को थोड़ी राहत मिली। बाजार को इस बार बड़े निर्माण और सरकारी प्रोजेक्ट्स का सहारा मिला। खुदरा बाजार में दाम 0 से 15 रुपये प्रति बोरी ऊपर-नीचे रहे, जबकि बड़े आर्डर वाले सौदों में 0 से 20 रुपये तक बढ़त दर्ज हुई।

न्यूज ब्रीफ

गेल महाराष्ट्र में पवन ऊर्जा परियोजना पर 1,736 करोड़ रुपये करेगी निवेश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड महाराष्ट्र में एक पवन ऊर्जा परियोजना लगाने के लिए 1,736.25 करोड़ रुपये निवेश करेगी। कंपनी ने वर्ष 2035 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। यह निवेश उसके नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में एक कदम है। गेल ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि शुक्रवार को हुई निदेशक मंडल की बैठक में 178.2 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। अनुबंध मिलने के 24 महीनों के भीतर पूरी होने वाली यह परियोजना कंपनी के मौजूदा 117.95 मेगावाट के पोर्टफोलियो में इजाफा करेगी। इसके अलावा कंपनी के पास राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 27 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं भी हैं। वर्तमान में गेल की गुजरात में 19.2 मेगावाट, कर्नाटक में 38.1 मेगावाट और तमिलनाडु में 60.65 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थित हैं। गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस पारेषण और विपणन कंपनी है। इसके पास लगभग 18,001 किलोमीटर का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क है।

सरकार ने फोर्टिफाइड चावल वितरण अस्थायी रूप से रोका, लंबे समय तक गोदाम में रखने पर आ रही पोषक तत्वों में कमी

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) और अन्य

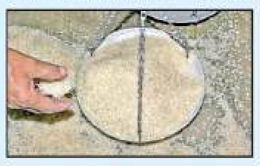

योजनाओं के तहत मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल में पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोक दी है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार लंबे समय तक गोदामों में रखने से चावल में जो विटामिन और मिनरल्स मिलाए जाते हैं, उनमे कमी आ रही थी। सरकार ने आईआईटी खड़गपुर को यह अध्ययन करने का काम सौंपा था कि अलग-अलग मौसम और वातावरण में चावल कितने समय तक सुरक्षित रहता है। रिपोर्ट में पाया गया कि चावल रखने का स्थान, तापमान, हवा में नमी और पैकिंग सामग्री फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता पर बड़ा असर डालते हैं। लंबे समय तक भंडारण और बार-बार परिवहन से पोषक तत्व जल्दी घट जाते हैं और चावल जल्दी खराब होने लगता है। राशन का चावल अक्सर 2-3 साल तक सरकारी गोदामों में रखा जाता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के लिए सालाना 372 लाख टन चावल की जरूरत होती है। जबकि सरकारी भंडार में कुल उपलब्धता लगभग 674 लाख टन है, जिसमें 2025-26 की खरीफ फसल भी शामिल है। खाद्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया रोकने से राशन की मात्रा या स्कूलों और आंगनवाड़ी में मिलने वाले मध्याह्न भोजन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

गोल्ड और सिल्वर एटीएफ का एनएवी अब भारतीय बाजार की कीमत पर

नई दिल्ली। अभी तक गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ अपने पास रखे सोने और चांदी की कीमत तय करने के लिए एलबीएमए (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) की एएम फिक्सिंग का इस्तेमाल करते थे। इसके बाद कई चरणों में बदलाव किया जाता था, जैसे डालर से रुपये में बदलना, आयात शुल्क, कस्टम ड्यूटी, ढुलाई खर्च और अन्य टैक्स या फीस। इस वजह से निवेशकों के लिए ईटीएफ का एनएवी वास्तविक भारतीय बाजार की कीमत से थोड़ा अलग दिखाई देता था। 1 अप्रैल 2026 से यह प्रक्रिया बदल जाएगी। अब ईटीएफ ,को अपने बुलियन होल्डिंग की कीमत तय करने के लिए भारतीय एक्सचेंजों द्वारा जारी डामेस्टिक स्पाट प्राइस का उपयोग करना होगा। ये वही कीमतें हैं जिन पर एमसीएक्स और एनएसई पर फिजिकल सोना-चांदी के सौदे होते हैं। इसका मतलब एनएवी सीधे भारत के बाजार की वास्तविक कीमत को दिखाएगा। इस बदलाव से ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा। डालर-रुपये के बदलाव या अतिरिक्त शुल्क जोड़ने की जरूरत खत्म हो जाएगी। निवेशकों के लिए सुरक्षा में कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बस रोजाना की कीमतें अब भारत के फिजिकल मार्केट के हिसाब से तय होंगी। म्युचुअल फंड उद्योग की संस्था एएमएफआई सेबी के साथ मिलकर नए नियमों के लिए एक समान नीति बनाएगी।

सिक्किम के जैविक उत्पादों को वैश्विक बाजार दिलाने की पहल गंगटोक में अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने सिक्किम सरकार और आईएफओएएम- आर्गेनिक्स एशिया के सहयोग से 27-28 फरवरी को गंगटोक में सिक्किम आर्गेनिक कान्क्लेव-सह-अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिक्किम के प्रमाणित जैविक उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार का विस्तार करना और राज्य के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना रहा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि सम्मेलन के दौरान सिक्किम के जैविक उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला, गुणवत्ता मानकों और निर्यात तैयारी पर आधारित एक विस्तृत रिपोर्ट भी जारी की गई। यह पहल राज्य के जैविक किसानों और उत्पादक संगठनों को वैश्विक खरीदारों से सीधे जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, मंगोलिया, सऊदी अरब, ओमान, सिंगापुर, नार्वे, कुवैत और ब्रिटेन सहित 17 देशों के लगभग 40 विदेशी खरीदारों ने इसमें हिस्सा लिया। वहीं एनसीईएल, बेसिलिया आर्गेनिक्स, फ्लेक्स फूड्स और नेक्स्टन सहित करीब 20 प्रमुख भारतीय निर्यातकों ने सिक्किम के लगभग 100 किसान उत्पादक संगठनों के साथ संरचित क्रेता-विक्रेता बैठकों में भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में सिक्किम सरकार के कृषि मंत्री पूरन कुमार गुरुंग, एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, कृषि एवं बागवानी विभाग के आयुक्त-सचिव जिग्मी दोरजी भूटिया तथा जेएच चांग (कार्यकारी निदेशक, आईएफओएम - आर्गेनिक्स एशिया) सहित एपीडा, राज्य सरकार और जैविक एवं निर्यात क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रदर्शनी में 12 प्रदर्शकों ने सिक्किम के प्रमाणित जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया। इनमें बड़ी इलायची, जीआई टैग प्राप्त डल्ले खुर्सानी, सिक्किम मैंडारिन, कुक्कुट उत्पाद, हल्दी और आर्किड जैसे उत्पाद शामिल थे। प्रदर्शनी ने राज्य के विविध और निर्यात-उन्मुख जैविक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस आयोजन का समन्वय सिक्किम सरकार के कृषि एवं बागवानी विभाग तथा सिक्किम आर्गेनिक फार्मिंग डेवलपमेंट एजेंसी (एसओएफडीए) ने किया। उल्लेखनीय है कि सिक्किम वर्ष 2016 में भारत का पहला पूर्णत: जैविक राज्य बना था, जिससे उसके उत्पादों को एपीडा की निर्यात प्रमाणन प्रणाली के तहत विशेष मान्यता मिली। जैविक कृषि के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए राज्य को वर्ष 2018 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा फ्यूचर पालिसी गोल्ड अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

भारत, यूरोपीय संघ के व्यापार समझौते में मध्यस्थता से जुड़ा परिशिष्ट शामिल

नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा की। समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है और इसे अगले वर्ष लागू किया जा सकता है। एफटीए में माडल मध्यस्थता प्रक्रिया पर एक अलग परिशिष्ट शामिल है, जिसका उद्देश्य विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान करना है। समझौते के अनुसार भारत या ईयू कोई भी पक्ष ऐसे उपाय के खिलाफ मध्यस्थता की मांग कर सकता है, जो द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो।

समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना

हालांकि प्रक्रिया केवल दोनों पक्षों की आपसी सहमति से ही शुरू होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर मध्यस्थ की नियुक्ति पर सहमति नहीं बनती, तो मध्यस्थता का अनुरोध स्वत: निरस्त माना जाएगा। मध्यस्थता आम तौर पर उस पक्ष के क्षेत्र में होगी, जिसके पास अनुरोध भेजा गया है, या आपसी सहमति से किसी अन्य स्थान या माध्यम से भी इसे आयोजित किया जा सकता है। मध्यस्थ की नियुक्ति के 60 दिनों के भीतर समाधान तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। करीब दो दशक चली वार्ताओं के बाद संपन्न एफटीए के तहत भारत के 93 प्रतिशत निर्यात को 27 देशों में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि ईयू से लक्जरी कार और वाइन का आयात सस्ता होगा। दोनों पक्ष वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक-तिहाई हिस्सा नियंत्रित करते हैं। समझौते में कुल 20 अध्याय शामिल हैं, जिनमें डिजिटल व्यापार पर अलग अध्याय भी है।

आईएमएफए ने टाटा स्टील के फेरो क्रोम प्लांट का अधिग्रहण पूरा किया

भुवनेश्वर। इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलायज लिमिटेड (आईएमएफए) ने ओडिशा के जाजपुर जिले के कलिंगनगर में टाटा स्टील लिमिटेड के फेरो क्रोम संयंत्र का रणनीतिक अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलायज लिमिटेड ने 707.26 करोड़ रुपये में टाटा स्टील से फेरोक्रोम संयंत्र का अधिग्रहण किया है। ओडिशा के कलिंगनगर जिले में स्थित 115 एकड़ में फैले इस संयंत्र में वर्तमान में चार भट्टियां हैं, जो हर साल 1,00,000 टन उत्पादन करने में सक्षम हैं। अधिग्रहण राशि का वित्त पोषण पूरी तरह से आंतरिक स्रोतों से किया गया है। आईएमएफए ने बताया कि कुल 707.26 करोड़ रुपये के इस सौदे में 610 करोड़ रुपये की मूल कीमत के साथ जीएसटी और कार्यशील पूंजी शामिल है। कंपनी ने कहा कि वहां 5वीं भट्टी का काम अभी अधूरा है, जिसे लगभग एक साल में पूरा कर लिया जाएगा। इसके शुरू होने के बाद संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 1,50,000 टन सालाना हो जाएगी।

सोने की बढ़ती कीमतों से गोल्ड लोन बाजार में रिकार्ड उछाल

जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई

नई दिल्ली

सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सीधा असर बैंकिंग सेक्टर में दिखाई दे रहा है। जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो पिछले साल जनवरी (91 फीसदी) से काफी अधिक है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड जूलरी के बदले बैंकों का आउटस्टैंडिंग लोन पहली बार 4,00,517 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। सोने की कीमतों में 152 फीसदी की बढ़ोतरी ने इस लोन की मांग को मजबूत आधार दिया है।

बैंक क्रेडिट में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी 9 फीसदी रही। जनवरी में कुल बैंक क्रेडिट ग्रोथ 14.4 फीसदी रही। पर्सनल लोन बैंक क्रेडिट का सबसे बड़ा सेगमेंट बना, जिसमें हिस्सेदारी 34.5 फीसदी रही। रिटेल लोन में 15 फीसदी की तेजी आई, जबकि एजुकेशन लोन दूसरे सबसे तेज बढ़ने वाले सेगमेंट के रूप में सामने आया, जिसमें 14 फीसदी वृद्धि हुई। सेक्टरवार आंकड़ों में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 62 फीसदी की उछाल दर्ज हुई, जिसे आरबीआई ने अनिवार्य कर्ज श्रेणी में शामिल किया है। इसके अलावा, जेम्स एंड जूलरी तथा इंजीनियरिंग सेक्टर में 36 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई, जो इन्हें सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल करता है। कारपोरेट सेक्टर में कर्ज वृद्धि 12 फीसदी रही, जबकि नान-फूड क्रेडिट 14 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के कारण जनवरी में एक्सपोर्ट क्रेडिट 17.2 फीसदी घट गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। यह वैश्विक आर्थिक बदलाव का असर भारतीय क्रेडिट मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर एक फीसदी से अधिक तेजी रही

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के आखिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अधिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 479.95 अंक और निफ्टी 141.75 अंक ऊपर बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने वैश्विक व्यापार की धाराओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। मंगलवार को बाजार में अचानक गिरावट देखने को मिली। एआई से जुड़े संभावित व्यवधानों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 525.29 अंक गिरकर 82,769.37 पर और निफ्टी 145.85 अंक घटकर 25,567.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,068.74 अंक और निफ्टी 288.35 अंक गिरकर सप्ताह के शुरुआती उत्साह को झटका लगा। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में थोड़ी बढ़त देखी गई, लेकिन दिन के अंत में सूचकांक केवल मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। गुरुवार को आईटी शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड प्रवाह ने शुरुआती कारोबार में बाजार को बढ़त दिलाई। हालांकि, दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर और निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर सपाट बंद हुए। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी और विदेशी फंडों की नई निकासी के चलते दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही। सेंसेक्स 961.42 अंक गिरकर 81,287.19 पर और निफ्टी 317.90 अंक घटकर 25,178.65 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह अत्यधिक अस्थिरता दिखाई। शुरुआती उत्साह के बाद मध्य सप्ताह में आईटी शेयरों और वैश्विक जोखिमों के कारण गिरावट देखी गई, जबकि सप्ताह के अंत में विदेशी फंड निकासी और वैश्विक दबाव ने बाजार को लाल निशान में बंद करवाया।

जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, पहली बार जीता रणजी ट्राफी का खिताब

हुबली

भारतीय घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक हाशिए पर रहने वाली जम्मू-कश्मीर टीम ने शनिवार को ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार रणजी ट्राफी का खिताब अपने नाम कर लिया। केएससीए राजनगर स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने आठ बार की चैंपियन कर्नाटक को पहली पारी में 291 रनों की विशाल बढ़त के आधार पर मात दी।

मैच ड्रा रहा, लेकिन पहली पारी की बढ़त के कारण जम्मू-कश्मीर को विजेता घोषित किया गया। जम्मू-कश्मीर अब रणजी ट्राफी जीतने वाली 19वीं अलग टीम बन गई है। इससे पहले वह 2013-14, 2019-20 और 2024-25 में क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थी। पिछले सीजन में सेमीफाइनल की दौड़ में केरल से एक रन की पहली पारी की बढ़त के कारण बाहर होना पड़ा था। इस बार टीम ने उस दर्दनाक याद को जीत में बदल दिया।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी का शानदार प्रदर्शन फाइनल में जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 584 रन बनाए, जो इस सीजन का उसका सर्वोच्च स्कोर रहा। शुबहम पुंडीर और कामरान इकबाल (शुभम खजूरिया की जगह अंतिम समय में शामिल) ने इस महत्वपूर्ण मैच में शतक जमाए।

गेंदबाजी में आकिब नबी ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 54 रन देकर पांच विकेट झटके। वह इस सीजन में 60 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। पिछले सीजन में भी उनके नाम 44 विकेट थे, जिससे राष्ट्रीय टीम में चयन की मांग तेज हो गई है।

अब्दुल समद और कप्तान पारस डोगरा का योगदान

मध्यक्रम के बल्लेबाज अब्दुल समद ने इस सीजन 748 रन बनाकर टीम के लिए सर्वाधिक रन जुटाए। वहीं 41 वर्षीय कप्तान पारस डोगरा के लिए यह खिताब खास रहा। 153 प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले डोगरा रणजी ट्राफी में 10,000 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। इस सीजन उन्होंने 637 रन बनाए, जिसमें मुंबई और दिल्ली के खिलाफ शतक शामिल हैं।

परवेज रसूल की भविष्यवाणी हुई सच

पूर्व भारतीय खिलाड़ी परवेज रसूल ने फाइनल से पहले कहा था कि पहली बार फाइनल में पहुंचना ही राज्य के क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। अब खिताब जीतने के बाद जम्मू-कश्मीर क्रिकेट नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ने को तैयार है। यह जीत राज्य में क्रिकेट के भविष्य को नई दिशा देने वाली साबित हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

पिता के निधन के बाद टीम से जुड़ें रिंकू सिंह, देश के लिए निभाई जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्टार रिंकू सिंह अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन इस गहरे दुख के बावजूद रिंकू ने हिम्मत दिखाते हुए टीम इंडिया में दोबारा शामिल हो गए है और वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के इडन गार्डन में होने वाले मैच के लिए तैयार हैं। रिंकू 26 फरवरी को भारत और जिम्बावे के बीच खेले गए मैच में मैदान पर मौजूद थे। हालांकि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे, लेकिन सब्सटीट्यूट फील्डर के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई। मैच खत्म होने के कुछ घंटे बाद, 27 फरवरी की सुबह उन्हें उनके पिता खानचंद सिंह के निधन की दुखद सूचना मिली। उनके पिता लिवर कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रहे थे। सूचना मिलते ही रिंकू चेन्नई से सीधे अपने शहर अलीगढ़ पहुँचे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। इससे पहले भी, वह टूर्नामेंट के दौरान अपने पिता की खराब तबीयत के चलते अस्पताल गए थे, लेकिन देश की जिम्मेदारी को देखते हुए टीम के साथ जिम्बाब्वे मैच से पहले फिर जुड़ गए थे। भारत का अगला और बेहद अहम मुकाबला 1 मार्च को इडन गार्डन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच किसी क्वार्टर फ़ाइनल से कम नहीं है, क्योंकि जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। टीम की जरूरत को देखते हुए रिंकू का यह फैसला क्रिकेट जगत और प्रशंसकों के बीच बेहद सराहा जा रहा है। निजी त्रासदी के बावजूद देश के लिए तत्पर रहने का उनका यह साहसिक कदम युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

दिल्ली ने सीनियर महिला वनडे ट्राफी जीती, फाइनल में रेलवे को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली। दिल्ली ने शनिवार को मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए सीनियर महिला वनडे ट्राफी (एलीट) फाइनल में रेलवे को सात विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह सीनियर वर्ग में इस प्रारूप का दिल्ली का दूसरा खिताब है। 134 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने 29 ओवर के भीतर मुकाबला समाप्त कर दिया। ओपनर प्रिया पुनिया ने 90 गेंदों पर 76 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि उनकी साझेदार प्रग्या रावत ने 56 गेंदों में 46 रन बनाए। रेलवे की पूनम यादव ने दो विकेट जरूर झटके, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और टीम वापसी नहीं कर सकी। इससे पहले रेलवे ने टास जीतकर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीम 133 रनों पर सिमट गई। दयालन हेमलता ने 105 गेंदों पर 64 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, पर उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। पूनम यादव ने 19 रन बनाए, जो टीम का दूसरा सर्वोच्च स्कोर रहा। दिल्ली की ओर से पारुनिका सिसोदिया ने 10 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। सोनी यादव, नजमा और दिशा नागर ने दो-दो विकेट लेकर रेलवे की पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई।

संजू सैमसन को अब मौका लपकना होगा : अश्विन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी पहली बार पूरी तरह चमककर सामने आई जब ग्रुप स्टेज खत्म हो चुका था और सुपर-8 का पहला मुकाबला टीम हार चुकी थी। सेमीफाइनल की उम्मीदें अगर-मगर पर टिकी थीं, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने टूर्नामेंट में नई जान फूंक दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन खड़ा किया और मुकाबला 72 रन से जीत लिया। इस मैच में संजू सैमसन को मौका दिया गया और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग में उतारा गया। दोनों ने सिर्फ 22 गेंदों में 48 रन की तेज साझेदारी की। सैमसन 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में वह आक्रामक शुरुआत दे दी जिसकी टीम को सख्त जरूरत थी। इस दमदार जीत और सैमसन की पारी पर दिग्गज आफ स्पिनर रवचन्द्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर खास प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने कहा कि सैमसन को आक्रामक क्रिकेट के रास्ते पर चलते रहना होगा और यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, मैं जिस संजू सैमसन को जानता हूं, मुझे उसकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। भारत को वर्ल्ड कप के दौरान ओपनिंग में समस्या थी, लेकिन इस मैच ने उसे दूर कर दिया। अगर सैमसन यहां से फाइनल तक 15 गेंदों में 28 या 30 रन भी बना देते हैं, तो वह टीम के लिए अपना काम कर चुके होंगे। बड़े स्कोर भी बन सकते हैं, लेकिन उनकी भूमिका यही है तेजी से टीम को शुरुआत देना।

फिट इंडिया संडेज़ आन साइकिल के 63वें संस्करण में दिखेगा ओलंपियनों का जलवा

नई दिल्ली

फिट इंडिया संडेज आन साइकिल के 63वें संस्करण में एक मार्च को ओलंपियन एथलीट जिंसन जानसन और निशानेबाज अनीश भानवाला मुख्य आकर्षण रहेंगे। जिंसन जानसन, जिन्होंने 2016 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और 1500 मीटर (3:35.24) में राष्ट्रीय रिकार्ड धारक हैं, विशाखापत्तनम के खूबसूरत आरके बीच पर आयोजित साइक्लिंग अभियान में हिस्सा लेंगे।

जानसन 2018 एशियाई खेलों में 1500 मीटर में स्वर्ण और 800 मीटर में रजत पदक जीत चुके हैं। वहीं 2022 एशियाई खेलों में भी उन्होंने 1500 मीटर में रजत पदक हासिल किया था, जिससे वे भारत के सबसे सफल मिडिल-डिस्टेंस धावकों में शामिल हैं।

नई दिल्ली में भी रहेगा खास आयोजन

नई दिल्ली में यह साइक्लिंग कार्यक्रम प्रतिष्ठित डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल काम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अनीश भनवाला के साथ प्रतिभाशाली फेंसर तनिष्का खत्री भी भाग लेंगी। कार्यक्रम का आयोजन गृह मंत्रालय के अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। अनीश भनवाला 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं और आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (काहिरा 2022 - मिश्रित टीम, काहिरा 2025 - व्यक्तिगत) में रजत पदक जीत चुके हैं। 2022 एशियाई खेलों (हांगझोऊ) में उन्होंने टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी हासिल किया था। तनीक्षा खत्री 2022 एशियाई खेलों में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाली भारत की पहली एपे फेंसर रही हैं। इनके साथ फिट इंडिया एंबेसडर नैन्सी और जानी-मानी जुम्बा प्रशिक्षक व वेलनेस कोच आकांक्षा टैंगोटरा भी मौजूद रहेंगी।

जन आंदोलन का रूप ले चुका अभियान

फिट इंडिया संडेज़ आन साइकिल की शुरुआत दिसंबर 2024 में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने की थी। यह पहल अब एक सशक्त जन आंदोलन बन चुकी है, जिसमें देशभर के 2.5 लाख से अधिक स्थानों पर 25 लाख से ज्यादा नागरिकों ने भाग लिया है। यह अभियान 29 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट के तहत संचालित हो रहा है।

पूरे देश में एक साथ आयोजन

यह साइक्लिंग अभियान युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा साइक्लिंग फेडरेशन आफ इंडिया, मल्लखंब एसोसिएशन, कूडो एसोसिएशन, नमो साइक्लिंग क्लब्स, इंडियन रोप स्किपिंग फेडरेशन, माय भारत और योगासन भारत के सहयोग से हर सप्ताह आयोजित किया जाता है।

देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसएआई केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों, साई प्रशिक्षण केंद्रों, खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्रों और खेलो इंडिया केंद्रों में यह कार्यक्रम एक साथ आयोजित होगा।

योगासन भारत द्वारा योग सत्र, रोप स्किपिंग प्रदर्शन, कूडो मार्शल आर्ट्स डेमो और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस आयोजन को एक संपूर्ण फिटनेस उत्सव का रूप देंगे। और जैसे संदेशों के साथ यह अभियान साइक्लिंग को एक टिकाऊ, सुलभ और सामुदायिक शारीरिक गतिविधि के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

तीसरे वनडे में साख बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

होबार्ट

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। आस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे आस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फार्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाई गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से आस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली। इसके विपरीत आस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जार्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

शिवम दुबे की कमजोर गेंदबाजी पर उठे सवाल

नई दिल्ली । टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को बड़े अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की, लेकिन टीम के प्रदर्शन में कुछ खामियां भी नजर आईं। सबसे बड़ी चिंता का विषय बने आलराउंडर शिवम दुबे, जिनकी गेंदबाजी बेहद महंगी साबित हुई। छठे गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल किए गए दुबे ने मात्र 2 ओवर में 46 रन दे दिए। उनकी लाइन और लेंथ इतनी बिगड़ी हुई थी कि 2 ओवर में ही उन्होंने 4 वाइड और 2 नो बाल डालीं। कप्तान सूर्यकुमार यादव जब भी उन्हें गेंदबाजी करने भेजते रहे हैं, वे उपयोगी साबित हुए हैं, लेकिन इस मैच में उनका स्पेल टीम के लिए नुकसानदायक रहा। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता रहे श्रीकांत ने दुबे की गेंदबाजी की कड़ी आलोचना की है। अपने शो चिकी चीका पर उन्होंने कहा कि चेन्नई की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल जरूर थी, लेकिन इसके बावजूद दुबे की गेंदबाजी बेहद निराशाजनक रही। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि गेंदबाजी में कोई बड़ी चिंता है। यह अच्छा बैटिंग ट्रैक था। लेकिन मेरी चिंता छठे गेंदबाज को लेकर है। दुबे आखिर किस लाइन पर गेंद डाल रहे थे वह लगातार छठे स्टंप पर गेंद कर रहे थे। मैंने ऐसी गेंदबाजी कभी नहीं देखी।

एफआईएच वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर के लिए हैदराबाद पहुंची इंग्लैंड महिला हाकी टीम

हैदराबाद

इंग्लैंड की महिला टीम एफआईएच हाकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर के लिए हैदराबाद पहुंच गई है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 8 से 14 मार्च तक तेलंगाना की राजधानी में आयोजित किया जाएगा, जहां आठ देशों की टीमें विश्व कप में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इंग्लैंड की टीम समृद्ध इतिहास के साथ इस प्रतियोगिता में उतर रही है। टीम अब तक 11 एफआईएच वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुकी है और इस बार उसका लक्ष्य बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले विश्व कप के लिए टिकट हासिल करना है।

इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2010 संस्करण में रहा था, जब टीम ने कांस्य पदक जीता था। इस बार टीम उस उपलब्धि से आगे बढ़ने की कोशिश करेगी। टीम की कप्तान फ्लोरा पील ने हैदराबाद पहुंचने के बाद आत्मविश्वास जताया। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में उनका प्रशिक्षण शिविर काफी सफल रहा और उससे पहले चीन में प्रो लीग के दौरान टीम ने कई प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेले। उनके अनुसार टीम फिलहाल शानदार लय में है और टूर्नामेंट की शुरुआत का बेसब्री से इंतजार कर रही है। भारतीय परिस्थितियों को लेकर भी टीम उत्साहित नजर आई। खिलाड़ी लिली वाकर ने कहा कि टीम के कई सदस्य पहले भारत आ चुके हैं और यहां के दर्शकों और माहौल को लेकर उत्साह है। गर्म मौसम से तालमेल बिठाने के लिए टीम ने विशेष तैयारी की है, जिसमें साना सेशन शामिल हैं, ताकि खिलाड़ी यहां की जलवायु के लिए पूरी तरह तैयार रह सकें। इंग्लैंड को विश्व कप के तीन उपलब्ध स्थानों में से एक हासिल करने के लिए पूल-ए में मजबूत प्रदर्शन करना होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत 8 मार्च को इटली के खिलाफ करेगी, 9 मार्च को कोरिया गणराज्य से भिड़ेगी और 11 मार्च को आस्ट्रिया के खिलाफ ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला खेलेगी।

इंग्लैंड की जीत से पाकिस्तान की उम्मीदें जिंदा, सेमीफाइनल में ऐसे बना सकता है जगह

नई दिल्ली

आईसीसी टी20 विश्व के सुपर-8 चरण में पाकिस्तान की सेमीफाइनल की उम्मीदों को उस समय नई जिंदगी मिली, जब न्यूजीलैंड को कोलंबो में इंग्लैंड के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ग्रुप-2 में अब तक पाकिस्तान के खाते में सिर्फ एक अंक है। कीवी टीम के खिलाफ मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था, जबकि इंग्लैंड से उसे हार मिली थी। अगर न्यूजीलैंड यह मैच जीत जाता, तो पाकिस्तान अंतिम मुकाबला जीतने के बावजूद बाहर हो जाता।

लेकिन इंग्लैंड की इस वापसी जीत ने अब पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका दे दिया है। अब सलमान आगा की अगुवाई वाली टीम को अपने अंतिम मुकाबले में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना होगा, ताकि नेट रन रेट के आधार पर न्यूज़ीलैंड को पीछे छोड़ा जा सके।

मैच के दौरान एक समय ऐसा लग रहा था कि न्यूज़ीलैंड बाजी मार लेगा, जब उसने इंग्लैंड को 16.5 ओवर में 117/6 पर रोक दिया था और 19 गेंदों में 43 रन चाहिए थे। लेकिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच पलट दिया और पाकिस्तान के लिए रास्ता खोल दिया। पाकिस्तान के लिए क्वालीफिकेशन समीकरण

अगर पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करता है:

- 103-150 रन बनाता है कम से कम 63 रन से जीत जरूरी
- 151-198 रन बनाता है कम से कम 64 रन से जीत जरूरी
- 199-246 रन बनाता है कम से कम 65 रन से जीत जरूरी

अगर पाक लक्ष्य का पीछा करता है:

- 115-123 का लक्ष्य 12.4 ओवर या उससे पहले हासिल करना होगा
- 124-132 का लक्ष्य 12.5 ओवर या उससे पहले
- 133-142 का लक्ष्य 12.6 ओवर या उससे पहले
- 143-152 का लक्ष्य 13.1 ओवर या उससे पहले
- 153-163 का लक्ष्य 13.2 ओवर या उससे पहले
- 164-175 का लक्ष्य 13.3 ओवर या उससे पहले

स्पष्ट है कि पाकिस्तान को सिर्फ जीत नहीं, बल्कि बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। अब सबकी नजरें पाकिस्तान और श्रीलंका के मुकाबले पर टिकी हैं, जहां नेट रन रेट का खेल तय करेगा कि सेमीफाइनल की चौथी टीम कौन होगी।

चेहरे के दाग-धब्बों से छुटकारा दिलाता है अंजीर

ड्राइफ्रुट्स भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। अंजीर खाने के भी काफी फायदे हैं। आयुर्वेद के चिकित्सक डॉ. प्रसाद के मुताबिक अंजीर खाने से किसी भी प्रकार के दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। नियमित रूप से अंजीर खाकर कब्ज की समस्या से राहत पाया जा सकता है। इसके अलावा रात को पानी में दो से तीन अंजीर भिगोकर रखें। इसे रोजाना सुबह उठकर खा लें। इससे कब्ज यानी हाज्मे से जुड़ी समस्या से निजात पाया जाता है।

अंजीर खाने के फायदे-

1-अंजीर का पेस्ट बनाकर भी अपने चेहरे पर लगा सकती हैं। इसे 15 से 20 मिनट तक चेहरे पर लगाए रखें। सूखने के बाद चेहरा धो लें। इससे आप चेहरे के सभी दाग धब्बे निकल आते हैं, लेकिन आप चाहें तो इसे दूध में भिगोकर भी खा सकते हैं। इससे चेहरे के दानों या कील-मुंहासों से मुक्ति मिलती है।

2-अंजीर में फास्फोरस, विटामिन डी और कैल्शियम पाया जाता है। ये सभी तत्व आपकी हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। जिन महिलाओं की उम्र 50 पार कर चुकी है, उन्हें अक्सर ओस्टियोपोरोसिस और पीठ में दर्द की शिकायत होती हैं। ऐसी महिलाओं को निश्चित रूप से अंजीर को अपनी डायट चार्ट में शामिल करना चाहिए।

3-सूखे अंजीर में एन्टीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। प्राकृतिक अंजीर में सूखे अंजीर के तुलना में कम एन्टीऑक्सिडेंट्स के गुण होते हैं।

विरासत में मिला पैसा

बच्चे के लिए मुसीबतें खड़ी कर सकता है

हर मां-बाप को अपने बच्चों से प्यार होता है। वे उनकी परवरिश का पूरा ख्याल रखते हैं। उनकी खुशी का ख्याल मरते दम तक होता है। वे इतनी संपत्ति छोड़कर जाना चाहते हैं कि उन्हें किसी चीज की कमी नहीं हो। लेकिन हर शख्स इतना खुशकिस्मत नहीं होता। मतलब कुछ मां-बाप के पास बच्चों के नाम छोड़ने लायक कुछ बचता ही नहीं।

कुछ बच्चे (युवा, या अधेड़) ऐसे होते हैं कि विरासत उनकी कीमत घटा देती है, यानी सेल्फवर्थ को जीरो कर देती है। समाज उनकी हर कामयाबी को उनकी मेहनत नहीं बल्कि विरासत से जोड़कर देखने लगता है। इन सबके चलते उन्हें शर्म, अपराधबोध और दुविधा महसूस होने लगती है। वे खुद को अलग-थलग महसूस करने लगते हैं।

कई बार लोग जाने-अनजाने जलने लगते हैं और उनके प्रति व्यवहार में अक्सर जताने भी लगते हैं। कई बार बेवजह की यह जलन उनके प्रति एक घृणा का रूप ले लेती है। विरासत में बुजुर्गों से संपत्ति पाने वाला बेकसूर शख्स भी आम लोगों से कटा-कटा रहने लगता है। उसकी कोशिश होती है कि वह ऐसे लोगों के बीच उठे-बैठें, जिन्हें विरासत में मिली उनकी संपत्ति से कोई फर्क नहीं पड़ता।

मुद्दा

विरासत में संपत्ति पानेवाले ऐसे शख्स के मन में क्या चलता रहता है, यह जानने के लिए बारबरा बॉलिन इनहेरिटेंस प्रोजेक्ट चलाती हैं और उनके इंटरव्यू छापती हैं। उनके हिसाब से पैरेंट्स को चाहिए कि वे समय रहते बच्चों को इसके लिए मानसिक रूप से तैयार करा दें। यह काम कई चरणों में किया जा सकता है। जैसे पहला चरण, यह हो सकता है कि पेरेंट्स शुरुआत से ही बच्चों को जताना शुरू कर दें कि उन्हें क्या मिलने वाला है। उनकी प्राथमिकताओं को समझें और उनको यह समझने में मदद करें कि विरासत में मिली संपत्ति का सदुपयोग कैसे कर सकते हैं। पैसों को किसी ट्रस्ट में डालने का कोई मतलब नहीं निकलेगा, अगर मकसद एक ना हो।

अगर बच्चा चाहता है कि वह कुछ संपत्ति समाज के साथ शेयर करे या अच्छे काम के लिए दान करे तो उनको इसके लिए तैयार करना चाहिए। स्टडी से पता चला है कि लोग विरासत में मिली संपत्ति अपनी प्रकृति के हिसाब से भौतिक सुख साधन, निवेश, सामाजिक कार्य वगैरह में लगाते हैं। उनको उसी हिसाब से तैयार किया जाना चाहिए। दूसरा चरण, मकसद तय करने में उनकी मदद की जाए। अगर बच्चे का सपना दूरदराज के गांव में स्कूल चलाना है तो शहर में 2BHK में पैसा फंसाने का कोई मतलब नहीं बनता। पैरेंट्स बच्चे का यह सपना पूरा करने के लिए अपनी संपत्ति का एक हिस्सा उसकी बेहतर पढ़ाई लिखाई पर खर्च कर सकते हैं। ऐसे काम की लिस्ट बनाने में बच्चे की मदद करना चाहिए जो उसका जीवन बेहतर बनाए।

तीसरा, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वे वित्तीय तौर पर साक्षर बनें। विरासत में अपार संपत्ति पाने वालों के लिए कुछ ऑनलाइन स्कूल भी हैं। वहां वित्तीय फैसले लेने, उसके नफा नुकसान, कॉस्ट, फीस, टैक्सेशन कंप्लायंस वगैरह के बारे में बताया जाता है। बच्चा आगे चलकर जटिल कार्यों के लिए पेशेवर की मदद ले सकता है लेकिन अपनी जरूरत को समझने के लिए वित्तीय रूप से साक्षर होना भी जरूरी है।

चौथा, जब विरासत में संपत्ति मिलती है तो दोस्तों रिश्तेदारों का संपर्क बढ़ जाता है। इनमें चाटुकारों, साजिश करनेवालों, बिना ब्याज उधार मांगने वाले अच्छी खासी की तादाद होती है। उधार लेने वालों में भी कई ऐसे होते हैं जो यह मान बैठे होते हैं कि वह कौन-सी अपनी कमाई दे रहा है। ऐसे में पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों को कुछ रकम देकर भूल जाना भी सिखाएं।

ये सपरफूड भी बढ़ा सकते है कद

ऐसा कहा जाता है कि अगर आपके माता-पिता छोटे कद के हैं तो आप पर भी उसका असर पड़ता है और आप भी छोटे रह जाते हैं। इसके अलावा लोग ये भी सोच रखते हैं कि किशोरावस्था के बाद लंबाई बढ़ना नामुमकिन है । लेकिन इन सब के बावजूद अगर आप लंबा होना चाहते हैं तो ये कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए आपको बस अपने खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है।

शलजम : शलजम में लंबाई बढ़ाने वाले हार्मोन्स होते हैं। नियमित रूप से इसे खाने से आपकी लंबाई बढ़ सकती है। इसके लिए आप इसकी सब्जी बनाकर या इसका जूस पी सकते हैं। कुछ ही महिनो में आपकी कुछ इंच लंबाई बढ़ जाएगी।

फलियां : फलियां यानी बींस में फाइबर, प्रोटीन, विटामिन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होते हैं। रोज इसे खाने से ग्रोथ हार्मोन पर प्रभाव पड़ता है।

भिंडी से भी बढ़ाई जा सकती है लंबाई

मटर

शायद जानकर हैरानी हो लेकिन मटर के दानों में भी लंबाई का राज छुपा है। रोजाना भोजन में मटर खाने से असर दिखेगा।

भिंडी

ज्यादातर लोग भिंडी खाना पसंद करते हैं । लेकिन इसके फायदों से अंजान हैं। इसकी सब्जी खाने से लंबाई के हार्मोन फंक्शन करने लगते हैं। जिससे आपकी लंबाई बढ़ती है।

पालक

जिस तरह पालक सेहत के लिए फायदेमंद है। उसी तरह लंबाई बढ़ाने के लिए भी आप इसे ट्राई कर सकते है। इसे सब्जी या जूस के रूप में लेने से लंबाई में फर्क दिखेगा।

लैपटाप की बैटरी लाइफ को बढ़ाने के ये हैं कुछ आसान उपाय

लैपटाप हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गया है. लैपटाप को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना काफी आसान होता है. इसके जरिए आप कहीं भी बैठकर अपने सारे काम आसानी से कर सकते हैं. ज्यादातर कंपनियां दावा करती हैं कि उनके लैपटाप 4 से 6 घंटे की बैटरी लाइफ देंगे. लेकिन वास्तव में, लैपटाप का बैकअप टाइम पूरी तरह से आपके इस्तेमाल पर निर्भर करता है. नया लैपटाप खरीदने के बाद एक बार चार्ज करने पर वह 2-3 घंटे काम करता है. लेकिन 6 से 12 महीनों के बाद ही इन लैपटाप की बैटरी लाइफ कम हो जाती हैं, और ये 30 मिनट की ही बैटरी लाइफ देते हैं. लैपटाप का बैकअप टाइम पूरी तरह से आपके इस्तेमाल पर निर्भर करता है.आज हम आपको आपके लैपटाप की बैटरी लाइफ को बढ़ाने के कुछ आसान उपाय बताएंगे.

बैटरी बैकअप कम होने के कारण

लैपटाप की बैटरी 1-2 घंटे में चार्ज नहीं हो रही हैं तो जांच लें कि कहीं बैटरी ओवरहीट तो नहीं हो रही है. अगर ऐसा है तो ओवरहीट होने की समस्या को नजरअंदाज न करें क्योंकि यह मुख्य कारण होता है आपके डिवाइस की बैटरी लाइफ के कम होने का.

अगर आपके लैपटाप की बैटरी ज्यादा हिट हो रही हैं तो उसे तुरंत लैपटाप से निकाल के ठंडे स्थान पर रखें. बैटरी का रोज हिट होना सही नहीं है, हो सकता है कि आपकी बैटरी या चार्जर खराब हो.

लैपटाप को ओवरचार्ज करना भी बैटरी के लाइफ को कम कर देता है. जैसे-जैसे इसकी बैटरी पुरानी होती जाती है, बार-बार पावर प्लग इस्तेमाल करने की जरूरत भी बढ़ती जाती है.बैटरी की उम्र को ध्यान में रखते हुए लैपटाप को अपग्रेड करने से बेहतर बैटरी बदलना होता है.

तापमान का रखें ध्यान

ज्यादा तापमान और बढ़ती उम्र धीरे-धीरे बैटरी की परफामेंस को कम कर देते हैं. कम तापमान (30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर न हो) में डिवाइस का इस्तेमाल करने से उसकी लाइफ साइकल बेहतर होगी. आप अपने डिवाइस को गर्मी से बचाने की कोशिश करें. स्मार्टफोन के ज्यादा गर्म होने की समस्या से परेशान होना वाजिब है, लैपटाप में इस बात का ध्यान रखें कि आप कूलिंग पैड का इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि सीपीयू वेंट से गर्म हवा आसानी से निकल जाए. धूल के कारण अक्सर लैपटाप का वेंट बंद होने लगता है जिस कारण से उसमें बने पंखों को ज्यादा काम करना पड़ता है. इसलिए सफाई रखें, खासकर धूल को ज़रूर हटाएं.

मुफ्त ऐप से बचें

विज्ञापन के साथ आने वाले ऐप्स आपके डिवाइस की बैटरी लाइफ औसतन 2.5 से 2.1 घंटे तक कम कर सकते हैं. ऐसा नहीं है कि सभी फ्री ऐप्स आपकी बैटरी पर असर डालते हैं, लेकिन अगर आपको उस पर कोई विज्ञापन नजर आए तो समझ लीजिए कि यह बैंडविथ और प्रोसेसर पर असर डालेगा ही. अगर आप इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं तो वाई-फाई का कनेक्शन औफ कर दें.

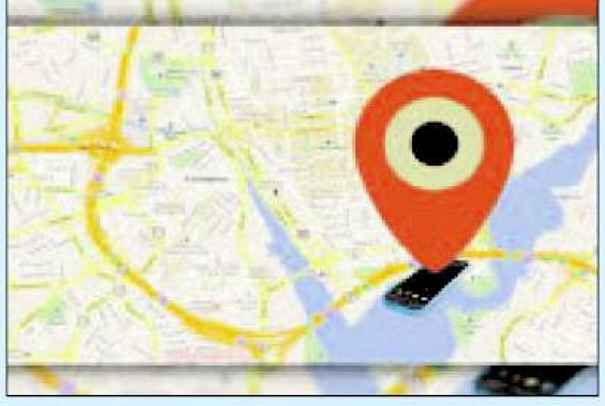

लोकेशन ट्रैकिंग बंद कर दें

हाल ही में आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फेसबुक ऐप डिवाइस की बैटरी को जल्दी खत्म करता है क्योंकि यह बार-बार जीपीएस मौड्यूल का इस्तेमाल करके यूजर की लोकेशन जानता रहता है. ऐसे में जिन ऐप को आपके लोकेशन की जरूरत नहीं है, उनके लोकेशन ट्रैकिंग को औफ कर देने से जरूर मदद मिलेगी.

पूरी तरह चार्ज से बेहतर है थोड़ा-थोड़ा चार्ज करें

बैटरी को 100 फीसदी से सीधे ले जाकर शून्य पर खत्म करने से बेहतर है कि आप इसे 50 फीसदी तक ही डिस्चार्ज होने दें. 30 से 80 फीसदी के बीच का क्रम बनाए रखें. ऐसा करने से आपके बैटरी की लाइफ तीन गुना बढ़ जाएगी. बैटरी को कई साल तक इस्तेमाल करने योग्य बनाने कि लिए लेनेवो का सुझाव है कि आप चार्जिंग का पैटर्न 40 फीसदी से शुरुआत और 50 फीसदी पर बंद, तय कर दें.

डिस्प्ले की ब्राइटनेस कम रखें

यह सुझाव लैपटाप और मोबाइल डिवाइस पर लागू होता है. डिवाइस के इनएक्टिव रहने पर आपका डिस्प्ले कितनी देर तक आन रहे, यह कम करके और डिस्प्ले की ब्राइटनेस कम करके भी आप थोड़ी बैटरी बचा सकते हैं.

चार्ज करते वक्त या वाई-फाई पर ऐप अपडेट करें

आमतौर पर कोई भी एक्शन जिससे प्रोसेसर या बैंडविथ पर दबाव पड़ता है, वह ज्यादा ही सीपीयू पावर लेगा. ऐसे मे बेहतर यह होगा कि एक्शन आम तौर पर स्थिर रहे और आप मोबाइल डेटा इंटरनेट के बजाय वाई-फाई का इस्तेमाल करे. आप अपने ऐप्स अपडेट को वाई-फाई पर शेड्यूल करें. अगर आपके डिवाइस में विकल्प मौजूद है तो सिर्फ चार्ज होते वक्त इसे शेड्यूल कर बैटरी लाइफ को बढा सकते है.

फ्लाइट मोड का इस्तेमाल करें

अगर आप ऐसी जगह पर हैं जहां कोई नेटवर्क नहीं है तो बेहतर होगा कि आप फोन में एयरप्लेन मोड (फ्लाइट मोड) को आन कर दें क्योंकि आपका फोन ऐसी जगहों पर बार-बार नेटवर्क तलाश करेगा जिसका असर बैटरी लाइफ पर पड़ेगा.

लैपटाप से एक्सटर्नल ड्राइव को अलग रखें

अक्सर देखने में आता है कि लैपटाप यूजर्स स्क डिवाइसेस जैसे पेन ड्राइव, एक्सटर्नल हार्ड डिस्क को लगातार अटैच करते है और अटैच ही रखते हैं. ये डिवाइसेस बैटरी के पावर को लगातार पावर को कम करती हैं. ऐसे में जब भी एक्सटर्नल डिवाइसेस का काम पूरा हो जाए तो उन्हें फौरन लैपटाप से रिमूव कर दें.

इन सुझावों का इस्तेमाल कर आप अपने फोन को पहले की तुलना में ज्यादा बेहतर बैटरी लाइफ दे सकते है.

ब्रेक भी जरूरी

यदि आप सारा दिन कम्प्यूटर के सामने बैठकर लगातार काम करते हैं, या किसी कॉल सेंटर में पूरा दिन फोन पर बात करते हैं, तो जरा ब्रेक लीजिये। लगातार बैठकर काम करते रहना, शरीर पर भारी पड़ सकता है। कम्प्यूटर के अधिकाधिक इस्तेमाल से कलाइयों और हाथों पर दबाव के कारण 'कारपल टनल सिंड्रोम' बीमारी ब ?ती जा रही है। इसमें शुरुआत में दर्द होता है, हाथों में झनझनाहट होती है और हाथ सुन्न लगते हैं। उंगलियों को मोड़ने या मुट्ठी बंद करने में परेशानी होती है। वहीं, बैठने का तरीका यदि सही नहीं है तो कंधे, गर्दन और पीठ को नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक कम्प्यूटर के सामने बैठे रहने से आंखों के स्नायुओं में जल्दी थकान होने लगती है। लगातार स्क्रीन की ओर देखते रहने से पलकों का झपकना भी कम हो जाता है। इसके चलते नजर कमजोर होना, सिर दर्द और चक्कर जैसी समस्या घेर सकती है। बिना किसी से बातचीत किए लगातार कई घंटों तक कम्प्यूटर पर काम करते रहने पर थकान और तनाव के कारण 'एपैथी सिंड्रोम' होने का डर है। इसमें भूख न लगना, चिड़चिड़ापन और नींद न आने की दिक्कतें घेर लेती हैं।

काम करते समय सहज रहना आवश्यक है। इस दिशा में पहला कदम है ऑफिस के 5 मुख्य नियमों को जानना।

1. शरीर को ढीला छोड़कर धीरे-धीरे लंबी सांस लीजिये।
2. कार्य को सरल बनाएं। एक समय में एक ही काम करें।
3. काम शान्तिपूर्वक और एकाग्र हो कर करें।
4. छोटी-छोटी बातों को लेकर तनावग्रस्त न हों।
5. आवश्यकतानुसार बीच-बीच में विश्राम करें।

छोटे कदम, बड़ी राहत

» देर तक ऑफिस में काम करने के कारण हो सकता है शारीरिक व्यायाम के लिए समय ही न बचता हो। ऐसे में शारीरिक व्यायाम के अन्य विकल्प खोजने आवश्यक हैं।

» किसी प्रोजेक्ट पर सहयोगी के साथ विचार-विमर्श करना है, तो यह काम बैठकर करने के बजाय, चलते हुए कर सकते हैं।

» टेलीफोन पर खड़े होकर बात कीजिये।

» ऑफिस में किसी से बात करनी हो तो फोन के बजाय उसके पास जाकर बात करें।

» लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल करें।

» बिजनेस ट्रिप पर हों तो ऐसे होटल में रुकें जहां स्विमिंग पूल अथवा फिटनेस सेंटर हो।

» एयरपोर्ट पर फ्लाइट की प्रतीक्षा करते समय बैठिए नहीं, टहलते रहिए।

» अपने सूटकेस में कूदने की रस्सी रखें। होटल में समय मिलने पर अपने कमरे में रस्सी कूदिये।

» परोपकार कार्यों के लिए थोड़ा समय निकालिये।

» कार्यस्थल के समीप किसी फिटनेस सेंटर के सदस्य बन जाएं। काम से पहले, बाद में वहां व्यायाम कर सकते हैं।

» बिजनेस कैलेंडर में व्यायाम का समय निर्धारित कर लें। महत्वपूर्ण कार्य की तरह उसको भी प्राथमिकता दें।

» बस से ऑफिस जाते समय अथवा आते समय थोड़ा पहले उतर जाएं और बाकी का रास्ता पैदल पार करें।

» लंच ब्रेक अथवा समय मिलने पर अपने ऑफिस के इर्द-गिर्द ही चक्कर काट लें। थोड़ा स्ट्रेचिंग कर सकते हैं।

» इन सहज-सरल नियमों का अनुपालन करके हम तनावमुक्त रहकर पूरा दिन आनन्दपूर्वक व स्फूर्ति के साथ व्यतीत कर सकते हैं। इससे मस्तिष्क की सृजनशीलता बढ़ती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**